

आज बेबाक

हाथरस के हृदय विदारक हादसे के एक हफ्ते बाद भी कथित बाबा नारायण साकार हरि मिस्टर इंडिया बना हुआ है। पुलिस प्रशासन को उसका कोई सुराग नहीं मिल रहा है। इसे बाबा का चमत्कार ही कहा जाएगा। उक्त बाबा का अभी तक एफआईआर में नाम नहीं आया है। यह भी बाबा की चमत्कारी शक्ति का परिचायक है। सबसे बड़ा चमत्कार तो बाबा का यह है कि उनके खिलाफ न तो योगी सरकार कार्रवाई की हिम्मत कर रही है और न ही कांग्रेस व सपा सहित अन्य विपक्षी पार्टियाँ ऐसी मांग उठा रही हैं। जाहिर है ऐसे चमत्कारी बाबा को अंध भक्त नमस्कार ही करेंगे।

सोरेन ने हासिल किया विश्वास मत रांची। राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता संभालने वाले हेमंत सोरेन सोमवार को विधानसभा में विश्वास मत पेश किया। विपक्ष के जोरदार हंगामे और चौकआउट के बीच सीएम सोरेन ने विश्वास मत जीत लिया।वक्ता दै, झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो ने विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए एक घंटे का समय आवंटित किया था।

पेट्रोल पंप में लगी भीषण आग
कोरबा। कोरबा में एक पेट्रोल पंप पर आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की चपेट में चावल वाहन आ गए हैं। स्थानीय लोगों और दमकल कर्मियों की मदद से आग पर काबू पाया गया। कुसमुंडा क्षेत्र अंतर्गत इमली छापर स्थित मुस्कान पेट्रोल पंप में रात लगभग दो बजे वक्त हड़कंप मच गया। जग पंप परिसर में खड़ी चार वाहनों में भीषण आग लग गई।

जय शाह बन सकते हैं आईसीसी चेयरमैन नई दिल्ली । जय शाह साल 2019 से ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव बने हुए हैं। उनके हाथों में इस समय बहुत पावर है, लेकिन अब अटकलें हैं कि अगर जय शाह आईसीसी चेयरमैन पद के लिए आवेदन करते हैं तो उन्हें निर्विरोध नया चेयरमैन चुना जा सकता है। मगर यह भी रिपोर्ट्स हैं कि जय शाह ने अभी तक इस बारे में कोई स्पष्ट फैसला नहीं लिया है।

बंगाल सरकार की याचिका खारिज नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार की उस याचिका खारिज कर दिया, जिसमें संदेराखली में महिलाओं के खिलाफ अपराध करने और जमीन हड़पने के आरोपों की सीबीआई जांच कराने का निर्देश देने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। जजों ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा, "धन्यवाद। याचिका खारिज की जाती है।"

कटुआ में सैन्य वाहन पर आतंकी हमला जम्मू/कटुआ। जिला कटुआ के कंडी क्षेत्र के आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों ने सेना के वाहन को निशाना बनाया है। वहीं, जवानों ने मौका संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की है। मुठभेड़ हो रही है। जम्मू संभाग के जिला कटुआ के पहाड़ी इलाके में सैन्य वाहन पर आतंकियों ने हमला किया गया है। जवानों ने मौका संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की है। इस तरह मुठभेड़ शुरू हो गई है। दोनों ओर से गोलीबारी हो रही है। सूत्रों के अनुसार, इस हमले में दो जवान घायल हुए हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। आसपास के संपर्क मार्गों को भी अलर्ट कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर का यह इलाका भारतीय सेना की 9वीं कोर के अंतर्गत आता है।

कच्छ में भूकंप के झटके अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले में गुरुवार दोपहर 3.3 तीव्रता का भूकंप रिकॉर्ड किया गया। भारतीय भूकंप अनुसंधान के एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र कच्छ जिले के दुधई से 10 किलोमीटर पूर्व उत्तर पूर्व (ईएनई) में था। इंडियन सिस्मोलॉजी रिसर्च के मुताबिक, भूकंप के झटके शाम करीब 4:10 बजे दर्ज किए गए। इसका केंद्र 30 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इस महीने राज्य के सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में दर्ज किया गया यह 3 तीव्रता से अधिक का तीसरा भूकंप है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है।



राम निवास रावत टीम मोहन में शामिल, शपथ में जुबान फिसली

दो बार लेनी पड़ी शपथ

भोपाल/नवप्रदेश। कांग्रेस से भाजपा में आए रामनिवास रावत ने सोमवार सुबह कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। इससे डॉ. मोहन यादव सरकार में मुख्यमंत्री समेत 31 मंत्री हो गए हैं। राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने सोमवार सुबह दो बार रावत को मंत्री पद की शपथ दिलाई। राजभवन में हुए इस संक्षिप्त कार्यक्रम में मुख्यमंत्री

समेत राज्य के कई मंत्री मौजूद रहे। पहले उन्होंने राज्य के मंत्री की जगह राज्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके बाद मामला उठ तो कुछ देर बाद उन्हें दोबारा शपथ दिलाई गई। इस बार उन्होंने राज्य के मंत्री के तौर पर शपथ ली।

कांग्रेस में नेता प्रतिपक्ष न बनाए जाने से नाराज चल रहे श्योपुर जिले की विजयपुर सीट से विधायक रामनिवास रावत ने लोकसभा चुनावों



से पहले भाजपा में आमद दी थी। इससे ग्वालियर-चंबल अंचल में

भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है। रावत के कांग्रेस विधायक पद से इस्तीफे को लेकर देर शाम तक गफलत की स्थिति बनी रही। रावत को छह महीने के भीतर विधायक बनना होगा वरना उनका मंत्री पद स्वतः ही खत्म हो जाएगा। कैबिनेट विस्तार के बाद मध्य प्रदेश में कुल मंत्रियों की संख्या 31 हो गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मंत्रिमंडल में एक नए सदस्य

का आगमन हुआ है। कैबिनेट मंत्री के नाते रामनिवास रावत के अनुभव का लाभ मिलेगा। उनके अनुभव का सरकार और क्षेत्र की जनता को लाभ मिलेगा। पिछड़े और विकास की संभावनाओं वाले क्षेत्र से प्रतिनिधित्व मिल रहा है।

रावत की जुबान फिसली
रावत को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेनी थी **शेष पृष्ठ 5 पर**

मैं नए क्षेत्रों में साझेदारी को ऊंचाड़यों तक ले जाने की आशा करता हूं: मोदी

रूस दौरे पर मॉस्को पहुंचे पीएम मोदी, राष्ट्रपति पुतिन के साथ बैठक के बाद रात्रिभोज

मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई से 9 जुलाई तक रूस की यात्रा पर हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को आमंत्रित किया है। दोनों नेता 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय मुद्दों पर बात होगी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने पर बातचीत होगी। रूस के दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रिया भी जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की राजधानी मॉस्को पहुंच गए हैं। एक बैठक के बाद वे राष्ट्रपति पुतिन के साथ रात्रिभोज में शामिल होंगे। कार्यक्रम के अनुसार आज पीएम मोदी, रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ एक बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद दोनों नेता रात्रिभोज करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को रूस और ऑस्ट्रिया के तीन दिवसीय दौरे के लिए रवाना हो गए। इस दौरे से पहले पीएम मोदी ने भारत-रूस के संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी पिछले दस वर्षों में आगे बढ़ी है। मॉस्को दौरे से पहले पीएम मोदी ने कहा, मैं अपने मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के लिए उत्सुक हूँ। रूस के अलावा पीएम मोदी ऑस्ट्रिया दौरे पर भी जाएंगे। उन्होंने ऑस्ट्रिया को भारत का दृढ़ और विश्वसनीय भागीदार बताया। पीएम मोदी ने कहा, हम लोकतंत्र के आदर्शों को साझा करते हैं। मैं नए क्षेत्रों में हमारी साझेदारी को और अधिक ऊंचाड़यों तक ले जाने की आशा करता हूँ।



रूस दौरे पर रवाना हुए पीएम, जोले- दोस्त पुतिन के साथ सहयोग पर समीक्षा को तैयार नई दिल्ली । मॉस्को दौरे से पहले पीएम मोदी ने कहा कि वह अपने मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के लिए उत्सुक है। रूस के अलावा पीएम मोदी ऑस्ट्रिया दौरे पर भी जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को रूस और ऑस्ट्रिया के तीन दिवसीय दौरे के लिए रवाना हो गए। इस दौरे से पहले पीएम मोदी ने भारत-रूस के संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी पिछले दस वर्षों में आगे बढ़ी है। मॉस्को दौरे से पहले पीएम मोदी ने कहा, मैं अपने मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के लिए उत्सुक हूँ। रूस के अलावा पीएम मोदी ऑस्ट्रिया दौरे पर भी जाएंगे। उन्होंने ऑस्ट्रिया को भारत का दृढ़ और विश्वसनीय भागीदार बताया। पीएम मोदी ने कहा, हम लोकतंत्र के आदर्शों को साझा करते हैं। मैं नए क्षेत्रों में हमारी साझेदारी को और अधिक ऊंचाड़यों तक ले जाने की आशा करता हूँ।

क्या डोनाल्ड ट्रंप के सामने चुनौती बनेंगी कमला हैरिस? बाइडन पर लटकी तलवार

डेमोक्रैट्स के शीर्ष नेताओं ने कहा कि अगर हैरिस बढ़ते दबाव के आगे झुक जाती है और इस साल के चुनाव में डेमोक्रैटिक उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति जो बाइडन आज पट छोड़ देते हैं तो वह चुनाव की दौड़ में खुद ब खुद शामिल हो जाएगी। अमेरिका में पाप गठवर को चुनाव लेने वाले है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पट के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। हाल ही में दोनों के बीच प्राथमिक बहस हुई थी, जिसमें बाइडन का प्रदर्शन काफी खराब रहा। इसके बाद डेमोक्रैटिक पार्टी ने धिताए बढ़ गई। पार्टी के शीर्ष नेताओं का कहना है कि अगर बाइडन चुनाव की रेस से बाहर लेने का फैसला करते हैं तो उनकी जगह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ले सकती है।

मणिपुर राहत शिविरों में पहुंचे राहुल गांधी



इंफाल। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर के दौरे पर हैं। मणिपुर पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले राहत शिविरों में रह रहे लोगों से मुलाकात की। राहुल गांधी के दौरे से पहले जिरियाम क्षेत्र में सोमवार की सुबह अज्ञात बंदूकधारियों ने गोलीबारी की। सुबह के साढ़े तीन बजे अज्ञात लोगों ने इलाके में गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी मैतेई इलाके में की गई। गोलीबारी की जानकारी पाकर सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। सुबह के सात बजे तक सुरक्षाकर्मियों और बंदूकधारियों के बीच गोलीबारी जारी रही। एहतियात के तौर पर आसपास के इलाकों में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया।

बता दें कि मणिपुर में पिछले एक साल से जातीय हिंसा जारी है। राहुल गांधी के राहत शिविर में लोगों से मुलाकात को लेकर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष देवव्रत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, जिरियाम में हाल ही में हुए हिंसा से प्रभावित लोगों से मिलने के लिए राहुल गांधी यहां आए। पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर में स्थिति सामान्य हो गई है। गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी मैतेई इलाके में की गई। गोलीबारी की जानकारी पाकर सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। सुबह के सात बजे तक सुरक्षाकर्मियों और बंदूकधारियों के बीच गोलीबारी जारी रही। एहतियात के तौर पर आसपास के इलाकों में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया।

मुंबई में भारी बारिश के बीच 50 से ज्यादा उड़ानें रद्द और डायवर्ट



सड़कें भी डूबीं, सीएम शिंदे ने की बैठक

मुंबई । महाराष्ट्र के मुंबई में पिछले कुछ दिनों से अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव की स्थिति पैदा हो गई, जिससे ट्रैफिक जाम लग गया। भारी बारिश के कारण रेल यातायात भी प्रभावित हो रहा है। मानसून की स्थिति को देखते हुए स्कूल-कॉलेजों को बंद कर दिया गया है।

मुंबई में रविवार देर रात से ही भारी बारिश जारी है। रात के एक बजे से लेकर सुबह के सात बजे तक कई स्थानों पर 300 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण मुंबई के निचले इलाकों में जलभराव हो गया। भारी बारिश के कारण दादर सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यहां सड़कों से लेकर रेलमार्गों तक पानी भरा हुआ है। **■** शेष पृष्ठ 6 पर

अलमारी के पीछे बंकर से रचते थे साजिश, सुरक्षा एजेंसियां भी हैरान

जम्मू कश्मीर । जम्मू कश्मीर के जिला कुलगाम में दो जगह चली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने छह आतंकवादियों को ढेर कर दिया। मारे गए आतंकियों के ठिकाने से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि एक घर में बनी अलमारी के भीतर आतंकियों ने गुप्त ठिकाना बना रखा था। बाहर से इस



जब तक मैं मुख्यमंत्री हूं, किसी को छूट नहीं मिलेगी

हिट एंड रन मामलों पर सीएम शिंदे ने जताई चिंता

मुंबई । महाराष्ट्र के मुंबई में हिट एंड रन मामले में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि वे राज्य में इस तरह की घटनाओं को लेकर बेहद चिंतित हैं। सीएम शिंदे ने कहा कि शक्तिशाली और प्रभावशाली लोग व्यवस्था में हेरफेर करने के लिए अपनी प्रतिष्ठा का दुरुपयोग करते हैं। आम लोगों का जीवन मेरे लिए बहुत कीमती है।



हॉकी टीम की नजरें स्वर्ण पदक पर

भारत ने हॉकी में जीते हैं सर्वाधिक पदक, टैनिंस में अच्छा नहीं रहा है

नई दिल्ली । लंबे अरसे बाद टोक्यो 2020 में पदक का सूखा समाप्त करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम की नजरें अब स्वर्ण पदक पर रहेंगी। भारत ने 1980 में मॉस्को ओलंपिक के बाद से इन खेलों में अब तक स्वर्ण नहीं जीता है। भारत अब तक हॉकी में कुल 12 पदक जीत चुका है जिसमें आठ स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

तरह है। भारत को इस बार उम्मीद है कि पेरिस में खिलाड़ी अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वहीं, लंबे अरसे बाद टोक्यो 2020 में पदक का सूखा समाप्त करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम की नजरें अब स्वर्ण पदक पर रहेंगी। भारत ने 1980 में मॉस्को ओलंपिक के बाद से इन खेलों में अब तक स्वर्ण नहीं जीता है। भारत अब तक हॉकी में कुल 12 पदक जीत चुका है जिसमें आठ स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

फैसले का इंतजार...

नीट-यूजी 2024 में कथित धांधली को लेकर सोमवार को सुको में सुनवाई

प्रश्न-पत्र लीक तो हुआ, नीट-यूजी में धांधली को लेकर सुप्रीम टिप्पणी

नई दिल्ली । नीट-यूजी 2024 में कथित धांधली को लेकर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान शीर्ष कोर्ट ने कहा, एक बात तो साफ है कि प्रश्न-पत्र लीक हुआ है। सवाल यह है कि इसकी पहुंच कितनी व्यापक है? पेपर लीक होना एक स्वीकार्य तथ्य है। लीक की प्रकृति कुछ ऐसी है, जिसका हम पता लगा रहे हैं। आप केवल इसलिए पूरी परीक्षा रद्द नहीं कर सकते, क्योंकि दो छात्र धांधली में शामिल थे। इसलिए हमें लीक की प्रकृति के बारे में सावधान रहना चाहिए। दोबारा परीक्षा का आदेश देने से पहले हमें लीक की सीमा के बारे में जानना होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि हम 23 लाख छात्रों के मामले को सुन रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि केंद्र और एनटीए ने इस गड़बड़ी से किन-किन छात्रों को फायदा पहुंचा? यह जानने के लिए क्या कार्रवाई की? लीक होने के कारण कितने छात्रों के परिणाम



रोके गए सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि लीक होने के कारण कितने छात्रों के परिणाम रोके गए। कोर्ट ने पूछा कि ये छात्र कहाँ हैं? भौगोलिक तौर पर ये छात्र कहाँ कहाँ हैं? क्या हम अभी भी गलत

क्या हम काउंसिलिंग होने देंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पढ़ाई-लिखाई को सबसे प्रतिष्ठित शाखा से निपट रहे हैं। हर मध्यम वर्ग का व्यक्ति चाहता है कि उनके बच्चे या तो चिकित्सा या इंजीनियरिंग की पढ़ाई करें। यह मानते हुए कि हम परीक्षा रद्द नहीं करने जा रहे हैं। हम ऐसे लोगों की पहचान कैसे करेंगे, जिन्हें इस धांधली का फायदा हुआ है। क्या हम काउंसिलिंग होने देंगे और अब तक क्या हुआ है?

काम करने वालों का पता लगा रहे हैं और क्या हम लाभार्थियों की पहचान कर भी पाएँ हैं? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि परीक्षा को दोबारा से कराना सबसे आखिरी विकल्प होना चाहिए। मामले में जो कुछ भी हुआ, उसकी जांच देश भर के विशेषज्ञों की एक बहु-अनुशासनात्मक समिति से कराई जानी चाहिए।

भाजपा सांसद ने बंटवाई शराब, पुलिस ने पल्ला झाड़ा

बंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी के सांसद के. सुधाकर ने अपनी जीत की खुशी में लोगों के बीच शराब बंटवाई। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है। उधर, पुलिस ने इस मामले से पल्ला झाड़ते हुए आबकारी विभाग को घेरा है। कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद के. सुधाकर ने अपनी जीत की खुशी में लोगों के बीच शराब बंटवाई। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि लोग कतार में खड़े हैं और उन्हें शराब की बोतलें परोसी जा रही हैं। उधर पुलिस ने इन मामले में अपनी गलती से साफ इनकार कर दिया है। पुलिस का कहना है कि यह आबकारी विभाग की जिम्मेदारी है।

उत्तराखंड में खिसक रहे पहाड़, पानी-पानी मुंबई, बिहार में गुरसे में गंडक

नई दिल्ली। पहाड़ दरक रहे हैं, नदियां उफान पर हैं... देशभर के कई राज्यों में भारी बारिश के बाद हाहाकार मचा हुआ है। मुंबई पिछले भारी बारिश के कारण थम-सी गई है। असम में बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है और अबतक 66 लोगों की मौत हो चुकी है। उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद कई जिलों का संपर्क अन्य जगहों से कट गया है। नेपाल और उत्तराखंड के बांधों से छोड़े गये लाखों क्यूसेक पानी ने उत्तर प्रदेश के तराई और मैदानी इलाकों में बाढ़ के रूप में कहर बरपाना शुरू कर दिया है। बिहार में पिछले 24 घंटों के दौरान लगातार बारिश से कोसी, महानंदा, बागमती, गंडक, कमला बलान और कमला सहित अन्य प्रमुख नदियां कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। दक्षिण पश्चिम मानसून की सक्रियता से देशभर में ‘जल प्रलय’ जैसे हालात हैं।

राजस्थान में भी जमकर गरज रहे बादल: राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून की सक्रियता लगातार बनी हुई है और अनेक इलाकों में बारिश का दौर जारी है। बीते चौबीस घंटे में राज्य में सबसे अधिक 91 मिलीमीटर बारिश बांंदीकुई में हुई। मौसम केंद्र

जयपुर के अनुसार, पिछले 24 घंटों में राज्य में कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ हल्के से मध्यम वर्षा तथा भरतपुर और दौसा जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक 91 मिलीमीटर बारिश दौसा के बांदीकुई में , सिकराय में 76 मिलीमीटर व भरतपुर के भुसावर 91 मिलीमीटर हुई। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान में सबसे अधिक 38 मिलीमीटर बारिश छतरागढ़ में हुई। राज्य में कई दिनों से जारी बारिश का असर तापमान पर भी पड़ा है और अधिकतम तापमान में काफी कमी आई है। मौसम केंद्र के अनुसार, फ्लोदी में पिछले 24 घंटों में राज्य में अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अरुणाचल में भारी बारिश से भूस्खलन, कई जिलों से संपर्क टूटा: अरुणाचल प्रदेश में बारिश के कारण हुए भूस्खलन से कई जिलों का सड़क संपर्क बाधित हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को शि-योमी जिले में भूस्खलन के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई। राज्य में प्राकृतिक आपदाओं के कारण अप्रैल से



अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। इसने बताया कि लोहित और अंजाव जिलों के मोमपानी क्षेत्र में तेज-हयुलियांग सड़क बाधित है, जबकि त्रा दादी जिले में दरी-चंबांग से लांगडांग गांव पालिन-ताराकलेंगडी जाने वाली सड़क भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी सियांग जिले के गेयिंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-513 भी बाधित हो गया है। इस वर्ष अप्रैल से अब तक अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन से 72,900 से अधिक लोग और 257 गांव प्रभावित हुए हैं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण एक व्यक्ति, पुलियाओं, बिजली लाइनों, बिजली के खंभों, ट्रांसफर्मरों और

असम में खतरे के निशान से ऊपर बह रही ब्रह्मपुत्र, बाढ़ से 66 लोगों की मौत
असम में बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। स्थिति सोमवार को भी गंभीर बनी रही और 28 जिलों की लगभग 23 लाख की आबादी इससे प्रभावित हुई। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। बुलेटिन के अनुसार, अधिकतर नदियों का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर है। राज्य में इस वर्ष बाढ़, भूस्खलन और तूफान में 78 लोगों की मौत हुई, जबकि इनमें से केवल बाढ़ के कारण 66 लोगों की मौत हुई। वर्तमान में, 28 जिलों में 3,446 गांवों के लगभग 23 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ की दूसरी लहर से 68,432.75 हेक्टेयर फसल भूमि जलमग्न हो गई है। धुबरी में सबसे अधिक 7,54,791 लोग प्रभावित हुए, इसके बाद कछर में 1,77,928 लोग और बारपेटा में 1,34,328 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए। कुल 53,689 लोगों ने 269 राहत शिविरों में शरण ली है, जबकि राहत शिविरों में नहीं रह रहे 3,15,520 लोगों को राहत सामग्री प्रदान की गई है।

जल आपूर्ति अवसंरचनाओं को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट के अनुसार अब तक 160 सड़कें, 76 बिजली लाइनें,



बिजली के 30 खंभे, तीन ट्रांसफर्मर, नौ पुल, 11 पुलिया और 147 जल आपूर्ति प्रणालियां क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। इसमें बताया गया कि इसके अलावा 627 कच्चे और 51 पक्के घर तथा 155 झोपड़ियों को नुकसान पहुंचा है। पाइपलाइन को नुकसान पहुंचने के कारण राज्य की राजधानी ईटानगर में लोग गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि मरम्मत का काम जारी है, लेकिन इसमें कई दिन लगेंगे।

यूपी में भारी बारिश के बीच उत्तराखंड ने छोड़ा लाखों क्यूसेक पानी: उत्तर प्रदेश में मानसून पिछले करीब एक हफ्ते से एक खासा सक्रिय है और मौसम

उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी के चलते चारधाम यात्रा हुई प्रभावित
उत्तराखंड में नदियां भी उफ़ान पर हैं। जोशीमठ के पास विष्णु प्रयाग में अलकनंदा नदी खतरे के निशान के करीब बह रही है। अलकनंदा विष्णु प्रयाग में धौली गंगा में मिल जाती है। उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में सात और आठ जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश होने संबंधी मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मद्देनजर चारधाम यात्रा रविवार को अस्थायी रूप से रोक दी गई।हालांकि, अब यात्रा एक बार फिर शुरू कर दी गई है। गढ़वाल के आयुक्त विनय शंकर पांडे ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्रा स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने गढ़वाल मंडल में सात और आठ जुलाई को भारी बारिश होने का पूर्वानुमान किया है, इसके मद्देनजर सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया जाता है कि वे सात जुलाई को त्र्धिकेश से आगे चारधाम यात्रा के लिए रवाना न हों। उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर निकल चुके हैं उन्हें मौसम ठीक होने तक उसी स्थान पर रुकना चाहिए।

विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार रात करीब तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से पीलीभीत जिले में शारदा नदी उफन पर है और उसकी बाढ़ का पानी 20 गांवों में घुस गया है। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिये राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम 32 नौकाओं की मदद से काम कर रही है। बनबसा बैराज से छोड़े गये पानी से लखीमपुर खीरी में भी बाढ़ का असर दिख रहा है। यहां शारदा नदी खतरे के निशान बाढ़ से प्रदेश में छह जिलों के अनेक गांव प्रभावित हुए हैं। उत्तराखण्ड के बनबसा बांध से लोग प्रभावित हैं।

सोने की खदान में हुआ भूस्खलन, 11 लोगों की हुई मौत जकार्ता। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण सोने की एक अवैध खदान में भूस्खलन होने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है।

अधिकारियों ने सोमवार को इस घटना के बारे में जानकारी दी है। गोरेंटालो प्रांत की खोज एवं बचाव एजेंसी के प्रवक्ता अफीपुद्दीन इलाहुदे ने बताया कि इस प्रांत के दूरस्थ बोन बोलांगों में एक छोटी, पारंपरिक, सोने की खदान में एक गड्ढे में रविवार को करीब 33 ग्रामीण खुदाई कर रहे थे तभी आसपास की पहाड़ियों से कई टन मिट्टी गिरी और वो दब गए। इलाहुदे ने बताया कि बचावकर्मियों ने रविवार को दो घायलों को बचाया और सोमवार तक 11 शव बरामद किए गए हैं। बचाव टीमें अब भी 20 अन्य लोगों की तलाश कर रही हैं जो लापता बताए जा रहे हैं।

भारत-रूस दौरे के बीच मोदी-पुतिन की दो दशक पुरानी फोटो सोशल मीडिया पर छाई

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को रूस और ऑस्ट्रिया के तीन दिवसीय दौरे पर रवाना हो गए हैं। इसकी जानकारी पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी। पीएम मोदी 8 और 9 जुलाई को मॉस्को के दौरे पर रहेंगे। जहां वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ 22 वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके अलावा वह मास्को में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। इसी बीच ‘मोदी आर्काइव’ नाम के एक्स सोशल मीडिया अकाउंट से प्रधानमंत्री मोदी की मॉस्को यात्रा से जुड़ी एक दिलचस्प कहानी साझा की गई है। इस पोस्ट में साल 2001 की भारत-रूस शिखर सम्मेलन की फोटो भी शेयर की गई है। उस



वक्त नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। फोटो में उनके अलावा तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और व्लादिमीर पुतिन भी नजर आ रहे हैं। ‘मोदी आर्काइव’ नाम के अकाउंट से पोस्ट करके लिखा गया, ‘भारत और रूस के बीच दीर्घकालिक संबंधों की गहरी ऐतिहासिक जड़ें हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के

मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान काफी मजबूत किया है। नरेंद्र मोदी की पहली रूस यात्रा 6 नवंबर 2001 को हुई थी, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ मॉस्को गए थे। पोस्ट में आगे बताया गया कि 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस यात्रा

को याद करते हुए कहा कि यह राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी पहली मुलाकात थी। उन्होंने कहा कि एक छोटे से देश से होने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपेक्षाकृत नए होने के बावजूद राष्ट्रपति पुतिन ने उनके साथ बहुत सम्मान से पेश आए, जिससे दोनों देश के बीच दोस्ती के द्वार खुल गए।

इसमें बताया गया कि इस यात्रा के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी ने गुजरात और रूसी प्रांत आस्ट्राखान के बीच सहयोग के लिए एक प्रोटोकॉल समझौते पर भी हस्ताक्षर किए, जिसमें दोनों पेट्रो एंव हाइड्रोकार्बन क्षेत्रों, व्यापार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

जो बाइडेन को नहीं मिल रहा अपनों का साथ
वाशिंगटन। डेमोक्रेटिक पार्टी के कम से कम पांच सांसदों ने रविवार को अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पांच नवंबर को होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से जो बाइडेन को बाहर हो जाना चाहिए। कई समाचारों में यह जानकारी दी गई है। अटलांटा में 27 जून को हुई बहस में रिपब्लिकन पार्टी से अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बाइडेन के निराशाजनक प्रदर्शन को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा फ्रेन कॉल पर की गई चर्चा के दौरान सांसदों-जेरी नाडलर, मार्क ताकानो, जो मोरेल, टेड लियू और एडम स्मिथ ने अपने विचार व्यक्त किए। बहस में अपने प्रदर्शन को खुद बाइडेन ने ‘‘एक बुरी रात’’ बताया है। उनकी लोकप्रियता की रेटिंग में गिरावट आई है और उनकी अपनी पार्टी के सहयोगियों ने उनके स्वास्थ्य और आगामी चार वर्षों तक शासन करने की उनकी क्षमता पर सवाल खड़े करना शुरू कर दिया है।

मणिपुर सालों से अपने प्रधानमंत्री की राह देख रहा : मनोज झा

पटना। राष्ट्रीय जनता दल सांसद मनोज झा ने राहुल गांधी के मणिपुर दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जुबानी हमला बोला। इसके अलावा उन्होंने नीट के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। आरजेडी सांसद मनोज झा ने राहुल गांधी के मणिपुर दौरे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के लोग पिछले कई सालों से अपने प्रधानमंत्री की राह देख रहे हैं। क्या प्रधानमंत्री का फर्ज नहीं बनता कि वह वहां जाए? राहुल गांधी तीसरी बार वहां जा रहे हैं। पीएम मोदी मणिपुर नहीं जाते हैं, वह मणिपुर का जिंक तक नहीं करते, लोगों को इससे दुख होता है। पीएम मोदी को यह समझना

होगा कि वह देश के प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री मोदी के रूस दौरे पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विदेश जा रहे हैं, वहां घरेलू राजनीति की आलोचना नहीं करनी चाहिए। रूस से संबंधित बहुत सारे गंभीर विषय हैं, रुस-यूक्रेन युद्ध है, पाकिस्तान और रूस के बीच भी कुछ मामला चल रहा है। मुझे लगता है कि पीएम मोदी को इन सब मुद्दों पर बात करनी चाहिए। नीट को लेकर उन्होंने कहा कि मैं नतीजों का इंतजार कर रहा हूं। लाखों बच्चों के भविष्य के साथ इस सरकार ने खिलवाड़ किया। एनडीएस को फॉड संस्था बताते हुए उन्होंने कहा कि इसको उखाड़ कर बंगाल की खाड़ी या अरब सागर में फेंक देना चाहिए। हाथरस की घटना

चुनाव में मिली करारी हार के बाद बसपा ने पांच जिलों के संगठन में किए बड़े बदलाव

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। सोमवार को उसने पांच जिले की कार्यकारिणी में बदलाव किए। बसपा मुखिया मायावती ने 2027 के चुनाव के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। लखनऊ, प्रयागराज, रायबरेली, प्रतापगढ़ और उन्नाव के लिए नई जिला कमेटियां गठित की हैं।

बहुजन समाज पार्टी की तरफ से जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के आदेश पर नई कार्यकारिणी बनाई गई है। लखनऊ की जिला कमेटी में बदलाव किए गए हैं और राकेश

जायसवाल को इसका उपाध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी की ओर से बताया गया कि रामशंकर गौतम को जिला सचिव बनाया गया है। इनके अलावा युसुफ गाजी को जिला खजांची नियुक्त किया गया है। विशाल कांशी और कुलदीप रावत को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। वहीं विजय चौधरी को बीवीएफ संयोजक और आरके बर्मन को जिला संयोजक बामसेफ बनाया गया है।

ऐसे ही उन्नाव जिले की जिला कमेटी में पदाधिकारीगण मनोनीत किए गए हैं। मूलचन्द्र लोधी को जिला उपाध्यक्ष सुदामा पासी को जिला महासचिव जबकि जिला सचिव अमर सिंह गौतम जिला खजांची रईस वेग, जिला



कार्यकारिणी सदस्य सतीश पासी और बरिन्द गौतम बने हैं। जिला बी.वी.एफ संयोजक नरेश भारती और रामनरेश गौतम को जिला संयोजक बामसेफ बनाया गया है। रायबरेली की जिला कमेटी में रामविलास लोधी को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। जिला महासचिव की जिम्मेदारी संदीप

कुमार रावत को मिली है। वहीं दिनेश पाल को जिला सचिव बनाया गया है। जिला खजांची मो. फारूख, जिला कार्यकारिणी सदस्य मंगल प्रसाद, चन्द्रकेश बने हैं। जिला बी.वी.एफ संयोजक अमरनाथ कोरी और बामसेफ का जिला संयोजक अनिल कान्त को बनाया गया है।

जनपद प्रतापगढ़ की जिला कमेटी में जिला उपाध्यक्ष अनवर अली, जिला महासचिव नीरज पासी, जिला सचिव रामआसरे आर्या, जिला खजांची उमाकांत पांडेय, जिला कार्यकारिणी सदस्य अमाशंकर पाल और बांके लाल पटेल बने हैं। जिला बीवीएफ संयोजक की जिम्मेदारी धर्मराज गौतम को मिली है। जबकि जिला

संयोजक बामसेफ राजाराम गौतम बने हैं। इसी प्रकार प्रयागराज की जिला कमेटी में जिला उपाध्यक्ष अब्दुल रहमान, जिला महासचिव बुद्धि प्रकाश भारती (पासी), जिला सचिव आकाश वर्मा, जिला खजांची मनोज पाल, जिला कार्यकारिणी सदस्य भोला चौधरी और अतुल कुमार बने हैं। जिला बीवीएफ संयोजक लालचंद गौतम बने हैं। जबकि बामसेफ का जिला संयोजक राम निवास को बनाया गया है। लोकसभा चुनाव 2024 में बसपा को उत्तर प्रदेश में एक भी सीट नहीं मिली। पार्टी का पार्टी शेयर भी लगातार गिर रहा है। पार्टी ने नए सिरे से तैयारी शुरू कर दी है।

अभी हाल में यूपी में दस

यूपी सरकार ने कांवड़ यात्रा के दौरान हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा के दौरान हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगाने के संबंध में एक एडवाइजरी जारी की है। सीएम योगी सरकार की एडवाइजरी के अनुसार, एक महीने तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे और धार्मिक गाने तय सीमा के भीतर बजाए जाएंगे। कांवड़ यात्रा 22 जुलाई से शुरू हो रही है जो 19 अगस्त तक चलेगी। डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि यात्रा के मद्देनजर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यात्रा शुरू होने वाले मार्गों पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। इसके अलावा 21 जुलाई की मध्य रात्रि से दिल्ली एक्सप्रेसवे, देहरादून एक्सप्रेसवे और चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। डीजीपी ने

न्यूज गैलरी

केजरीवाल को वकीलों से अतिरिक्त मीटिंग के लिए मिलेगी इजाजत? याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने तिहाड़ से मांगा जवाब
नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर जेल अधिकारियों से जवाब मांगा है जिसमें उन्होंने तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने वकीलों से दो अतिरिक्त कानूनी मुलाकातों की मांग की है। वह दिल्ली आबकारी नीति मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। आबकारी मामले में ईंडी ने दिल्ली सीएम को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी कानूनी टीम के साथ दो और कानूनी बैठकों की मांग करने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने तिहाड़ जेल और ईंडी से जवाब मांगा है। निचली अदालत से राहत नहीं मिलने पर केजरीवाल ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। केजरीवाल ने कहा कि उनके खिलाफ देश भर में 35 मामले चल रहे हैं और कानूनी रणनीति तैयार करने के लिए उन्हें अपनी टीम के साथ बैठक की जरूरत है।

खटीमा के चकरपुर से 100 लोगों का एसडीआरएफ ने किया रेस्क्यू
खटीमा। उत्तराखंड में मानसून की भारी बारिश लगातार पूरे प्रदेश में अपना कहर दिखा रही है। कुमाऊं से लेकर गढ़वाल तक हर जगह भारी बारिश से परेशानी दिख रही है। उधमसिंह नगर के खटीमा में चकरपुर में लगभग 100 लोग भारी बारिश के कारण फंस गए थे। सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम बैंकअप के तौर पर उधमसिंह नगर के खटीमा में चकरपुर के अरविंद नगर पहुंची। उसके बाद लगभग 100 लोगों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। दूसरी तरफ चंपावत के बनबसा में भी लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण कई क्षेत्रों में जलभराव हो गया है। यहां भी कई लोगों के फंसे होने की सूचना दी गई। जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने 110 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। अभी एसडीआरएफ की पांच टीम रेस्क्यू अभियान चला रही है। भारी बारिश की चेतावनी के बाद आर्मी और एसडीआरएफ दोनों ही मोर्चा संचाले हुए हैं। वहीं, लोगों से सावधानी बरतने की अपील भी की गई है।

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष आर्मस्ट्रांग की हत्या के बाद चेन्नई पुलिस कमिश्नर का तबादला
नई दिल्ली। तमिलनाडु बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख के आर्मस्ट्रांग की हत्या के बाद से राज्य में बवाल जमा है। अब इस घटना के तीन दिन बाद चेन्नई पुलिस कमिश्नर का तबादला कर दिया गया है। एनडीआरएफ और सीआईएसएफ में कार्यरत आईपीएस अधिकारी संदीप राय राठौड़ की जगह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) ए अरुण लेंगे। पुलिस ने शनिवार को कहा कि चेन्नई में बहुजन समाज पार्टी के तमिलनाडु प्रमुख की हत्या के आरोप में 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। के आर्मस्ट्रांग की 5 जुलाई को उनके घर के पास बाइक सवार लोगों ने हत्या कर दी। बता दें कि दोपहिया वाहन पर सवार कुछ लोगों ने आर्मस्ट्रांग के आवास के बाहर उन पर हमला कर दिया था, चेन्नई पुलिस इस मामले की लगातार जांच कर रही है। इस हत्याकांड में कल ही नया खुलासा हुआ और बताया जा रहा है के आर्मस्ट्रांग की हत्या के पीछे गैंगस्टर अर्कोट सुरेश के सहयोगियों की शामिल होने की आशंका है। गैंगस्टर अर्कोट सुरेश की पिछले साल हत्या कर दी गई थी और चेन्नई पुलिस के मुताबिक, सुरेश के सहयोगियों और परिवारजनों का मानना है कि गैंगस्टर की हत्या के आर्मस्ट्रांग के निर्देशन में की गई थी। ऐसे में पुलिस को शक है कि गैंगस्टर के भाई ने आर्मस्ट्रांग को मारकर पुरानी दुश्मनी निकाली है।

डिजिटल उपस्थिति के आदेश के खिलाफ उत्तर प्रदेश के शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन
ग्रेटर नोएडा । उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में सोमवार को सरकारी शिक्षक डिजिटल उपस्थिति को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन काली पट्टी बांधकर किया जा रहा है। इसके जरिए सभी शिक्षक इस आदेश के खिलाफ अपना रोष शासन के सामने जताएंगे। इससे पहले भी शिक्षक संघ और शिक्षकों ने सोशल मीडिया पर बॉयकॉट ऑनलाइन उपस्थिति को ट्रेंड करवाया था। डीजी स्कूल शिक्षा ने यह आदेश सभी बीएसएफ की भेजे है और सोमवार से यह आदेश लागू किया जाएगा जिसका विरोध सभी शिक्षक कर रहे हैं। शिक्षकों के मुताबिक बारिश का मौसम है और गांव के कई स्कूलों में जाने के लिए रास्ते तक नहीं हैं। इससे वहां साधन नहीं जा पता है। शिक्षकों का कहना है कि गांव के कई स्कूलों में जाने के लिए रास्ते तक नहीं हैं।



सुविचार

दुख जीवन में इसलिए आते हैं कि ताकि हम सुख का महत्व समझ सकें। –अज्ञात

नदी जोड़ो परियोजना में लाएं तेजी

इस साल मानसून ने देश के आधे से ज्यादा हिस्से में तबाही मचा दी है। पिछले एक सप्ताह के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र सहित राजस्थान और गुजरात में भी बाढ़ के हालात निर्मित हो गए हैं। इन राज्यों की नदियां खतरे के निशान को पार कर रही हैं। जिसकी वजह से जन धन की हानि हो रही है। अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। सिर्फ असम में ही 78 लोगों की मौत हो चुकी है। भारी बारिश और बाढ़ के कारण 25 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। जिनके लिए लगभग 600 रिलीफ कैंप बनाये पड़े हैं। इसान तो इसान लाखों जानवर भी इससे प्रभावित हुए हैं। कम्बोेश यहीं स्थिति उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों की भी है। उत्तराखंड में तो लगातार भू-स्खलन की घटनाएं हो रही है। जिसकी वजह से चार धाम यात्रा रोकनी पड़ी है। प्रकृति का यह प्रकोप वाकई रहस्य अंगेज है। इसकी वजह भी हम लोग ही है जो प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आ रहे हैं। पर्यावरण सतुलन गड़बड़ने के कारण कभी सूखा तो कभी बाढ़ के रूप में प्राकृतिक आपदाएं आती रहती हैं। हमारा आपदा प्रबंधन तंत्र भी इसे रोकने में असफल हो जाता है। बारिश का मौसम अभी शुरू हुआ है। अभी से ऐसी स्थिति है तो आने वाले दिनों में यदि और ज्यादा बारिश होगी तो स्थिति किस कदर विकराल रूप धारण कर लेगी। इसका सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। आने वाले सालों में तो ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण अस्तुलन के कारण स्थिति और भी भयावह होने की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में अब यह आवश्यक हो गया है कि भारत में नदियों को जोड़ने का अभियान तेज किया जाए और इसे जल्द से जल्द मूर्त रूप दिया जाए। इससे जिन राज्यों में ज्यादा बारिश होती है और बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है वहां की नदियों का पानी ऐसे राज्यों में आसानी से पहुंचाया जा सकेगा। जो सूखे की चपेट में आते हैं। यह ठीक है कि नदी जोड़ो अभियान एक बेहद खचीला अभियान है लेकिन प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए इस अभियान को आगे बढ़ाना ही होगा। गौरतलब है कि लगभग डेढ़ सौ साल पहले ब्रिटिश शासन काल में एक अंग्रेज इंजीनियर ने भारत की प्रमुख नदियों को आपस में जोड़ने की परिकल्पना की थी। आजादी के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की सरकार ने भी नदियों को जोड़ने की परियोजना पर मंथन किया था, किन्तु इस पर राज्यों की सहमति नहीं बन पाई। इसका बाद नदी जोड़ो परियोजना पर विचार करना ही बंद कर दिया गया था। 1999 में तात्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने नदी जोड़ो परियोजना पर काम शुरू किया। इसके लिए 5 लाख करोड़ की परियोजना बनाई गई, किन्तु उस पर काम शुरू होने से पहले ही एनडीए सरकार सत्ता से बाहर हो गई। मनमोहन सिंह के नेतृत्व में बनी यूपीए सरकार ने नदी जोड़ो परियोजना को ठंडे बस्ते के हवाले कर दिया। क्योंकि इसके लिए विभिन्न राज्यों की सरकारों ने सहमति नहीं दी थी। मनमोहन सिंह सरकार ने इस परियोजना पर सब की सहमति बनाने की कोशिश भी नहीं की और तात्कालीन पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने तो नदी जोड़ो परियोजना को विनाशकारी योजना बताकर इस परियोजना पर पत्तीता लगा दिया। 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी तो पीएम मोदी ने एक बार फिर नदी जोड़ो परियोजना पर काम शुरू किया। किन्तु पिछले एक दशक के दौरान कुछ ही राज्यों में दो तीन नदियों को आपस में जोड़ने के काम की शुरुआत हो पाई। नतीजतन यह महत्वकांक्षी परियोजना अधर में ही लटकती रही और अब तो इसकी लागत बढ़कर दो गुनी से भी ज्यादा हो चुकी है। बहरहाल अब समय आ गया है कि नदी जोड़ो परियोजना पर तेजी से काम किया जाए।

अभिषेक शर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज में शुभमन गिल की कसानी में भारतीय क्रिकेट टीम अपना पहला टी-20 मैच हार गई जिसे लेकर नए खिलाड़ियों से भरी टीम इंडिया की जमकर आलोचना हुई। किन्तु दूसरे ही दिन टीम इंडिया ने पलटवार किया और पहले मैच में जीरो पर आउट होने वाले ओपनर अभिषेक शर्मा ने विस्फोटक बल्लेबाजी कर तीसरा सबसे तेज शतक जड़ दिया। उन्होंने 33 गेंदों में 50 रन बनाए और उसके बाद सिर्फ 13 गेंद में 50 रन बनाकर शतक बनाया और एक नया कीर्तिमान रच दिया। अभिषेक शर्मा ऐसे पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। जिन्होंने अपनी पारी की शुरुआत छक्का लगाकर की और छक्कों की हैट्रिक लगाकर अपना शतक जड़ा। उनकी इस विस्फोटक पारी ने दिग्गज क्रिकेटरों का भी दिल जीत लिया है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और सूर्य कुमार यादव ने अभिषेक शर्मा की इस शादार बल्लेबाजी की जमकर प्रशंसा की है। आईपीएल मैचों में धूम मचाने वाले अभिषेक शर्मा को जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम में ओपनर के रूप में मौका दिया गया। जिसमें वे अपने पहले मैच में शून्य पर आउट हो गए लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने सप्ताल मचा दिया। इसी के साथ अब यह अटकलें लगाई जा रही है कि टी-20 से सन्यास लेने वाले रोहित शर्मा का विक्पल मिल गया है। यदि अभिषेक शर्मा इसी तरह का प्रदर्शन करते रहे तो वे रोहित शर्मा की जगह ले सकते हैं।

प्रेरक प्रसंग - जादुई पेंट ब्रश

एक गाँव में शैलेश नाम का एक युवा कलाकार रहता था। उसके पास एक विशेष कुंची(पेंटब्रश) था जो उसकी पेंटिंग्स को जीवंत बना सकता था। शैलेश ने सुंदर परिदृश्य, मैत्रीपूर्ण जानवर और रंग-बिरंगे फूल बनाने के लिए अपने जादुई ब्रश का उपयोग किया। उसने अपनी रचनाएँ ग्रामीणों के साथ साझा कीं, जिससे उनके जीवन में खुशियाँ आईं। एक दिन, शैलेश को एक दूर राज्य से एक पत्र मिला। राज्य सूखे से पीड़ित था, और लोग दुखी और निराश थे। उन्होंने शैलेश के जादुई ब्रश के बारे में सुना था और उन्हें उम्मीद थी कि वह उनकी मदद कर सकता है। शैलेश उनकी सहायता करने को तैयार हो गया फिर वह उस राज्य की यात्रा के लिए निकल पड़ा। राज्य पहुंच कर उसने खिले हुए फूलों और चमचमाती नदियों से भरे एक हरे-भरे, जीवंत बगीचे को चित्रित किया। जैसे ही वह समाप्त हुई, राज्य रंग और जीवन से जीवंत हो उठा। लोग बहुत खुश हुए और उनका उत्साह बढ़ गया क्योंकि भूमि एक बार फिर से समृद्ध हुई।

शैलेश की कहानी हमें संवि्धता है कि रचनात्मकता और दयालुता दुनिया पर एक शक्तिशाली प्रभाव डाल सकती है। इससे उन लोगों के लिए खुशी और आशा लाई जा सकती है जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

आज का पंचांग

	बुध-14				
बुध	10	शुक्र-शनि	9		
9	15	राहु	13-15	चन्द्र-केतु	8
14			4		6
मंगल	3		5		

सूर्योदयः ०5:34, सूर्यास्तः 19:17, चन्द्रोदयः ०7:19, चन्द्रास्तः 21:24, अयन दक्षिणायणे (उत्तरगोलीय), ऋतुः ७७ वर्षा, शक सम्वतः 1946 (क्रोधी), विक्रम सम्वतः 2081 (पिगत), कलियुगाब्धः 5126, मास आषाढ, पक्ष शुक्ल, तिथि तृतीया (पूर्ण रात्रि), नक्षत्र पुष्य (०6:०3 से आश्लेषा), योग वज्र (26:०6 से सिद्धि), प्रथम करण तैत्तिल (17:29 तक),

द्वितीय करण रा्र (पूर्ण रात्रि)।

॥ गोरक्ष ग्रहाः ॥

सूर्य-मिथुन, चंद्र-कर्क, मंगल-मेघ (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध-कर्क (उदित, पूर्व, वक्त्री), गुरु-वृष (उदय, पूर्व, मार्गी), शुक्र-कर्क (अस्त, पश्चिम, मार्गी), शनि-कुम्भ (उदित, पूर्व, वक्त्री), राहु-मीन, केतु-कर्न्ना।

शुभ यात्रा दिशा

आज जन्मे शिशुओ का नाम आश्लेषा नक्षत्र के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ चरण अनुसार क्रमशः (डी, डू, डे, डो) नामाश्र से रखना शास्त्र सम्मत है।



वन्दशेखर गंगराड़े

पूर्व प्रमुख सचिव छत्तीसगढ़ विधानसभा

पूर्व में जब राजनैतिक दलों के सदस्य दल-बदल करते थे तो उस समस्या के निराकरण के लिए संविधान में दसवीं अनुसूची को शामिल करते हुए आंशिक तौर पर दल परिवर्तन को हतोत्साहित किया गया था लेकिन दल-बदल के मामले जब और बढ़ने लगे तो वर्ष 2003 में उसे और संशोधित करते हुए, यह प्रावधान कर दिया गया कि जब किसी विधान दल के कम से कम दो-तिहाई सदस्य विलय के लिए सहमत हों तभी उस दल के सदस्य अपने दल को छोड़ सकेंगे। इसमें यह भी प्रावधान है कि यदि कोई निर्दलीय सदस्य राजनैतिक दल में संमिलित हो जाता है तो उसकी भी सदस्यता समाप्त हो जाती है और जब से संविधान में दल परिवर्तन के आधार पर सदस्यता समाप्त होने का प्रावधान वर्ष 2003 में जोड़ा गया है, दल परिवर्तन के मामले कम होते जा रहे हैं।

दल-बदल के मामले जब और बढ़ने लगे तो वर्ष 2003 में उसे और संशोधित करते हुए, यह प्रावधान कर दिया गया कि जब किसी विधान दल के कम से कम दो-तिहाई

आज का इतिहास

नई दिल्ली/वार्ता। 1533- धार्मिक उपदेशक चैतन्य देव का निधन 9 जुलाई 1533 को हुआ। 1819- सिलार्ड मशीन के आविर्भावकाक एलियस होउ का जन्म 9 जुलाई 1819 को हुआ। 1845- 1905 से 1910 ई. तक भारत का वाइसराय तथा गवर्नर-जनरल रहे लॉर्ड मिण्टो द्वितीय का जन्म 9 जुलाई 1845 को हुआ। 1875- भारत के पहला स्टॉक एक्सचेंज ‘बम्बई स्टॉक एक्सचेंज’ की स्थापना 9 जुलाई 1875 को हुई। 1877- पहली विबल्डन टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 9 जुलाई 1877 को हुआ। 1893- डेनियल विलियमस ने 9 जुलाई 1893 में पहली बार जिन्ना ऐनिमिथिया के ओपन हार्ट सर्जरी की। 1900- राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनेता, संसदीय मामलों के मंत्री तथा मध्य प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल सत्य नारायण शिखर का जन्म 9 जुलाई 1900 को हुआ। 1923- दूसरी लोकसभा के सदस्य मानकमाई अगवाला का जन्म 9 जुलाई 1923 को हुआ। 1925- प्रसिद्ध अभिनेता एवं निर्देशक हिंदी फ़िल्मों में गुरु दत्त के नाम से प्रसिद्द वसंतकुमार शिवशंकर पादुकोण का जन्म 9 जुलाई 1925 को हुआ। 1930- भारतीय फ़िल्म निर्माता निर्देशक और पत्रकार लेखक के. बालाचंदर का जन्म 9 जुलाई 1930 को हुआ। 1938- प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता संजीव कुमार का जन्म 9 जुलाई 1938 को हुआ।

अभिव्यक्ति

गठबंधन सरकार संवैधानिक पहलू

9 जून, 2024 को श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की सरकार ने शपथ ले ली है और उसी के साथ 18वीं लोकसभा के गठन की अधिसूचना भी राष्ट्रपति द्वारा 6 जून, 2024 को जारी की जा चुकी है। 18वीं लोकसभा हेतु संपन्न आम चुनाव में किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिलने के कारण चुनाव पूर्व राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का गठन हुआ था जिसमें भारतीय जनता पार्टी, जनता दल (यूनाईटेड), तेलगु देशम पार्टी, जन सेना, शिवसेना (शिंदे गुट), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट), राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (सोनेलाल), हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम), जनता दल (सेक्यूलर), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (पशुपतिनाथ पारस), राष्ट्रीय लोक दल, रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया, असम गण परिषद, ए.जे.एस.यू., हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा (सेक्यूलर), सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, तिपरा मोथा पार्टी, यूनाईटेड पीपुल्स पार्टी (यूनाईटेड) शामिल थे और चूंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत मिला था इसलिए राष्ट्रपति ने उन्हें सरकार बनाने का अवसर दिया और इस प्रकार देश में 1० वर्षों के बाद पुनः गठबंधन सरकार का युग आ गया।

इस अवसर पर हम इस बात पर विचार करेंगे कि चुनाव में इस प्रकार के विभिन्न राजनैतिक दलों का जो गठबंधन बनता है, उसकी विधिक स्थिति क्या है विधिक दृष्टि से देखा जाये तो गठबंधन में ऐसे दल शामिल होते हैं, जिनकी विचारधारा परस्पर समान होती है या वे एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत एक-दूसरे की नीतियों में विश्वास व्यक्त करते हुए, एक साथ काम करने के लिए तैयार होते हैं। लेकिन उन पर कोई विधिक बंधन नहीं होता, वे जब चाहें गठबंधन से अलग हो

सकते हैं और किसी दूसरे गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। इसीलिए गठबंधन सरकारों को स्थिर और मजबूत सरकार की श्रेणी में नहीं रखा जाता है। गठबंधन में शामिल दल अपने समर्थन की कीमत वसूल करना चाहते हैं और मुख्य दल के लिए यह संभव नहीं होता कि वे हमेशा गठबंधन में शामिल दलों की मांग पूरी कर सकें।

पूर्व में जब राजनैतिक दलों के सदस्य दल-बदल करते थे तो उस समस्या के निराकरण के लिए संविधान में दसवीं अनुसूची को शामिल करते हुए आंशिक तौर पर दल परिवर्तन को हतोत्साहित किया गया था लेकिन



इसलिए मेरा यह मत है कि अब समय आ गया है, जब इस विषय पर चर्चा हो कि चुनाव पूर्व जो गठबंधन बनें, उसका चुनाव आयोग ने पंजीयन हो और चुनाव के बाद यदि वे गठबंधन से किसी कारणवश अलग होते हैं तो उन पर भी दल परिवर्तन के आधार पर सदस्यता समाप्त होने की कार्यवाही हो ताकि स्थिरता बनी रहे और यदि चुनाव में किसी भी दल या चुनाव पूर्व बने गठबंधन को बहुमत न मिले और चुनाव के बाद मात्र सरकार बनाने के लिए गठबंधन किया जाये तो उसे भी कानून की परिधि में लाया जाये। इस प्रकार जहां सरकार में स्थिरता आयेगी, वहीं राजनैतिक शुचिता भी कायम रहेगी और सरकार मजबूती से निर्णय ले सकेगी। यद्योकि जिस प्रकार के पूर्व में हमारे सामने उदाहरण रहे हैं कि जब गठबंधन की सरकारें बनीं तो कभी-भी, किसी-भी दल ने समर्थन वापस ले लिया और ऐसे सिद्धांतहीन गठबंधन से देश में राजनैतिक नैतिकता का भी पतन हुआ और गठबंधन से कोई दल अलग हो तो उसकी मान्यता समाप्त हो या यदि वे गठबंधन से अलग होते हैं तो उन्हें इसका कोई लाभ न मिले।

दल-बदल के मामले जब और बढ़ने लगे तो वर्ष 2003 में उसे और संशोधित करते हुए, यह प्रावधान कर दिया गया कि जब किसी विधान दल के कम से कम दो-तिहाई

पाठकों की बात

यों मौसम बारिशों का है मगर

यों मौसम बारिशों का है मगर लिपटी खजिाँ भी है। यही इक बात मेरे और दिल के दरमियाँ भी है बड़ी मुश्किल से होती बारिशें रहमत की उसके दर जमीं है शखुब ही आता लिखा और अपनी आवाज में लयबद्ध किया सुनो, मेरे दिल मे तू है!!
नंदिता तनूजा

बादल पिघला था कुछ ने कहा गरज

बादल पिघला था कुछ ने कहा गरज ने
कहना मेघ कुछ ने
ऋतु सावन-बादल का बताया तुम अंजान थे
देवता रोया था मेरा तुहिन बिंदु को चखना कभी खारा था सागर सा
जो पलक पर टिका फिर अचिरल बहा था देवता रोया था मेरा
आवाज कोधी थी अभी या सन्नाटों में दराश था आसमान कम्पित था कैसा ये अश्रुपात था देवता रोया था मेरा।
नीरज वर्मा नीर

QUIZ TIME

- जीवन समर्थ पहल हाल ही में किस संस्था ने शुरू की है?
- अमेरिका का स्वतंत्रता दिवस कब मनाया जाता है?
- शक संवत के अनुसार अंतिम महीना कौन सा है?
- भारत में मनीऑर्ड प्रणाली की

शुरुआत किस वर्ष हुई?

5) अमेरिका ने किसकी जगह दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर हिल्टन मोरिग को राष्ट्रीय महिला और अंडर-19 टीम का कोच नियुक्त किया है?



Ramaquiz

புதுப்பு நாள்நாள்பாடி (5) 0881

(4) பிழியா (௬) ஐயாபாடி (௧) புதுப்பு நாள்நாள்பாடி

आज का राशिफल



मेघः आज का दिन भी थोड़ा उतार चढ़ाव वाला रहेगा। संबंधो में चाह कर भी मधुरता नहीं रख पाएंगे।

वृषः आज के दिन खर्च विशेष रहेगे लेकिन धन लाभ के अवसर भी मिलने से तालमेल बना रहेगा। कार्य क्षेत्र के साथ साथ घरेलु कार्य अधिक रहने से व्यस्तता बढ़ेगी।

मिथुनःआपके कार्यों में लचरता रहेगी। किसी भी निर्णय पर ज्यादा दूर नहीं टिकेंगे। आप अपने ही गैर जिम्मेदार व्यवहार के कारण कष्ट उठाएंगे।

कर्कः आपको दिन आनंद से बीतेगा दिन के पूर्वाह्न में कार्य व्यवसाय बेहतर

चलेगा । मध्यान का समय घरेलु आवश्यकताओं की पूर्ति करने में बीतेगा।

सिंहः आप किसी के बहकावे अथवा प्रलोभनों में ना आये सदैवनेशीलता अधिक रहने से आँख बंद करके किसी भी कार्य के लिए सहमति ना दें अन्यथा भारी सज़ा ही सकती है।

कन्याः आज का दिन सामान्य से अधिक शुभ फल देने वाला रहेगा। सामाजिक,व्यावसायिक क्षेत्र पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुअवसर मिलेगा।

तुलाःआज आपको सरकारी कार्यों से आकर्षित लाभ होगा। पिता से संबंध बेहतर होने का लाभ मिलेगा।

वृश्चिकःआज के दिन आप लाभ-हानि की परवाह नही करेंगे। सामाजिक एवं

पारिवारिक क्षेत्र पर आज आप मायशाली माने जायेंगे।

धनुःआपका आज का दिन शारीरिक रूप से अशुभ रहेगा। प्रातः काल से ही आँख में जलन अथवा अंगों में दर्द रहने से निष्क्रियता रहेगी।

मकरःआज आप पिछले कुछ दिनों की अपेक्षा बेहतर स्वास्थ्य अनुभव करेंगे। बड़े लोगों से व्यवहारिक ज्ञान मिलेगा।

कुंभःआज के दिन सेहत में थोड़ी गिरावट रह सकती है। परंतु बाकि सब कार्य एवं व्यवहार यथावत चलते रहेगे।

मीनः आज का दिन मिश्रित पद होगा। दिन के पूर्वार्ध में पूर्व में बनाई योजनाये सही दिशा में आगे बढ़ेगी। कुछ समय बाद किसी के विरोध अथवा अन्य कारणों से इनमे बदलाव करना पड़ेगा।

भोपाल , मंगलवार, 9 जुलाई 2024

4

गठबंधन सरकार संवैधानिक पहलू

सदस्य विलय के लिए सहमत हों तभी उस दल के सदस्य अपने दल को छोड़ सकेंगे। इसमें यह भी प्रावधान है कि यदि कोई निर्दलीय सदस्य निर्वाचन के पश्चात, किसी राजनैतिक दल में सम्मिलित हो जाता है तो उसकी भी सदस्यता समाप्त हो जाती है और जब से संविधान में दल परिवर्तन के आधार पर सदस्यता समाप्त होने का प्रावधान वर्ष 2003 में जोड़ा गया है, दल परिवर्तन के मामले कम होते जा रहे हैं। लेकिन जब गठबंधन की सरकार बनती है तो गठबंधन में शामिल दलों पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं रहती है और वे कभी-भी उनकी शर्तें या मांगें पूरी न होने पर गठबंधन से अलग हो जाते हैं। जिससे सरकार अस्थिर हो जाती है। इसलिए चुनाव पूर्व जिन दलों को मिलाकर गठबंधन किया जाता है, उनका भी पंजीयन होना चाहिए। जैसे चुनाव में केवल वही राजनैतिक दल भाग लेते हैं, जिनका चुनाव आयोग में पंजीयन होता है।

इसलिए मेरा यह मत है कि अब समय आ गया है, जब इस विषय पर चर्चा हो कि चुनाव पूर्व जो गठबंधन बनें, उसका चुनाव आयोग में पंजीयन हो और चुनाव के बाद यदि वे गठबंधन से किसी कारणवश अलग होते हैं तो उन पर भी दल परिवर्तन के आधार पर सदस्यता समाप्त होने की कार्यवाही हो ताकि स्थिरता बनी रहे और यदि चुनाव में किसी भी दल या चुनाव पूर्व बने गठबंधन को बहुमत न मिले और चुनाव के बाद मात्र सरकार बनाने के लिए गठबंधन किया जाये तो उसे भी कानून की परिधि में लाया जाये। इस प्रकार जहां सरकार में स्थिरता आयेगी, वहीं राजनैतिक शुचिता भी कायम रहेगी और सरकार मजबूती से निर्णय ले सकेगी। क्योंकि जिस प्रकार के पूर्व में हमारे सामने उदाहरण रहे हैं कि जब गठबंधन से सरकारें बनीं तो कभी-भी, किसी-भी दल ने समर्थन वापस ले लिया और ऐसे सिद्धांतहीन गठबंधन से देश में राजनैतिक नैतिकता का भी पतन हुआ और गठबंधन से कोई दल अलग हो तो उसकी मान्यता समाप्त हो या यदि वे गठबंधन से अलग होते हैं तो उन्हें इसका कोई लाभ न मिले।



पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

..खास..प्राती.. मेरे दिल में तू है यहाँ से कहाँ

मेरे दिल में तू है यहाँ से कहाँ तक वहाँ से यहाँ तक मेरे दिल में तू है जहाँ से यहाँ तक मंजिलों के तुम साथी तुम दीया और मैं बाती उम्रभर है साथ चलना तेरे संग ओ जीवनसाथी यहाँ से कहाँ तक वहाँ से यहाँ तक मेरे दिल मे तू है जहाँ से यहाँ तक !! मैंने सुबह ही आता लिखा और अपनी आवाज में लयबद्ध किया सुनो, मेरे दिल मे तू है!!
नंदिता तनूजा

आदमी की भीड़ में गुम आज मैं

आदमी की भीड़ में गुम आज मैं हूँ क्या करूँ इक गली की भीड़ में गुम आज मैं हूँ क्या करूँ आसमाँ पर चाँद -तारों से मिला था फ़ख़ से तीरगी की भीड़ में गुम आज मैं हूँ क्या करूँ आईना के सामने सब पैरानेबुल लोग हैं सादगी की भीड़ में गुम आज मैं हूँ क्या करूँ मौत का मेला लगा है और सब ख़ामोश हैं जिन्दगी की भीड़ में गुम आज मैं हूँ क्या करूँ कैसे नफ़रत के शरारों से जली हैं बस्तियाँ अगलगी की भीड़ में गुम आज मैं हूँ क्या करूँ वोट के बदले मिले हैं चंद रुपये हाथ में इक खुशी की भीड़ में गुम आज मैं हूँ क्या करूँ अश्क आँखों में लिए सहरा में मारा फिर रहा तनगगी की भीड़ में गुम आज मैं हूँ क्या करूँ इश्क है 'ऐनतु' गुलज़ से दिल में बसती है मेरे शायरी की भीड़ में गुम आज मैं हूँ क्या करूँ।
‘ऐनतु’ बरौलवी

हाथरस दुर्घटना में मारे जाने वाले

हाथरस दुर्घटना में मारे जाने वाले नादानों/अंधधक्कों की निंदा करने वाले और सोशल मीडिया में उछल कूद मचाने वाले लोग भी इस भीड़ में होंगे वहा तो अनपढ़/कम पढ़े लिखे लोग रहे होंगे इस भीड़ में तो जींस, टी शर्ट,सूट बट वाले भी रहे होंगे ना हादसे बताकर नहीं आते भीड़ का सिर्फ़एक ही धर्म होता हादसा।
शत्रुंजय तिवारी

जिंदगी का कोई सार है

जिंदगी का कोई सार है कोई नमकीन सा खार है गिड़ों से बचाना है इसे जिसम की यही पुकार है चखना अपने कदमों के साथ जैसे साथ में कोई पतवार है शांत मन परकटी चिड़िया हो मौन का भी मौन चौक़ार है छती पर पिघलते है फ़मेले दुख सूखती नदी का धार है अपने पीठ पर एक आँख रखो दोस्तों में दुश्मन कई हजार है।-**प्रीति श्रीवास्तव**

सर्कस के बौने जोकर हाथ में एक

सर्कस के बौने जोकर हाथ में एक छोटा बल्ल रखते थे। जबतक खेल का दूसरा आईटम पेह हो,दर्शकों का ध्यान बटाने के लिए दूसरे जोकर के पीछे दन् से प्रहार करते थे। बहुत तेज आवाज़ आती।बच्चा मन उस दर्द और दुःख से कराह उठता। रहस्य मालूम हुआ।बल्ल तीन परतों में पटा होता था,जो दिखता नहीं था?। भोले दर्शक । मनुष्य में दो ही जाति है। शासक और शासित। शेष जोकर का बल्ल। मृग कस्तूरी ही ढूँढता रहेगा।।

चाँद भी होता है गोल जो अनगिनत

चाँद भी होता है गोल जो अनगिनत तारों का प्रेमी है सूरज भी होता है गोल जो हर दम धक्का को करता है साराबोर पानी की बूँदें भी होती है गोल जो नवजीवन से सृष्टि को करती है अंकुरित आँखों की पुतलियों के गोल में चाहे अनचाहे भाव छुपे होते हैं मेरी गोल गुलाबी बिंदी में बसा हुआ है सौंदर्य का अतिरिक मानो वह बिंदी नहीं पूरे ब्रह्मांड का विस्तार उममें भरी हुई है संस्कृति और वह प्रतीक है मेरी सम्मान और स्वाभिमान का बिंदी में एक नहीं कई भाव छुपे हुए हैं प्रेम का प्रतीक बनके यह बिंदी उभरती है कभी करती निज समर्पण अनगिनत साँसें समाई हैं इस बिंदी में।

सरिता सैल

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य

(भागवत साहू)

ब्राह्मे से दाएँ :
1. पानी, नीर, अंबु
2. आना जाना, आवगमन
5. बहुत, बढ़िया
6. दूर रहने वाला (धट्टा)
जो वर्तमान में न धेट
सक
8. अवोध, नासमझ, अनाड़ी
10. राख्नी, शाक
11. निशान, उद्देश्य, संस्था
26. हल्य, कल्य.
ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, लोस रूप में पधारना, आना
20. धूप दीप से पूजा
16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, परिवर्तित करना
2. चमक, पानी
3. 22. इसी समय
23. गुरसा, कहर.

बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला
4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका
5. गार काट, खूना कल्ल
7. भुंगी, जमीन, भू-भाग
9. बहुत बड़ा डानी,
10. संगीत के सुरों की संख्या
14. लालीला, लोचलुक
17. खिसकाना, अपने स्थान से हटाना, विचलित होना
19. प्रवेश करना, पधारना, आना
20. धूप दीप से पूजा

1		3	2		3	4		4
			5		8	6		7
8	9			10		10	11	
12	12			13		14		
12	15				15	16	17	
17	18			18	19			
	17	21	20		9	21		
23	22					23	23	
24			25		26			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 111का हल

स्वा	द	सा	म	ना	कै	दी
ब	ख	ल	ना	य	क	वा
लं	प	ट	ना	क	क	ट
बी	प			ड़ी		प
अ	ट	प	टा		शा	न
स	ह	यो		र	ति	
ह	म	द	र	ब	द	र
म	क	र	सी	ल		
त		क्षा	द	वा	खा	ना

■ न्यूज गैलरी

रेस्ट हाउस मामले में छविंद्र कर्मा ने कहा- व्यक्ति विशेष को लाभ दिलाया गलत दत्तेवाड़ा/नवप्रदेश। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और कांग्रेस के विधानसभा उम्मीदवार छविन्द्र कर्मा ने रेस्ट हाउस मामले को लेकर बयान में कहा है कि यद्यपि ठेकेदार किसी पार्टी का नहीं होता लेकिन रेस्ट हाउस को विधायक बंगले में बदलने करोड़ों का खर्च व्यक्ति विशेष को लाभ की ओर इशारा करता है.करोड़ों रुपये इस कार्य में खपाने के बाद इस कार्य को कौन कर रहा है, कब टेंडर हुआ, कोई बता नहीं पा रहा है.पारदर्शिता बिल्कुल नहीं है.उन्होंने कहा कि उनके परिवार को भी जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली है लेकिन कभी भी रेस्ट हाउस को सुरक्षा कारणों से बंगला बनाने का विचार उन्होंने नहीं किया. रेस्ट हाउस में टेम्परेरी कुछ रूम बनाने की बात होती तो कोई विवाद नहीं होता.यदि विवाद है तो समाधान भी होता है.इन दिनों मीडिया में यह मामला सुर्खियों में है.नियम-कानूनों को ताक पर रखकर जिस तरह से इस बंगले का रेंनोवेशन कराने की जल्दबाजी देखने को मिली यह सही नहीं है. कर्मा ने कलेक्टर से इसकी जांच कर खुलासा करने का आग्रह किया है।

कुर्मी समाज की जिला स्तरीय बैठक हुई



कोंडागांव/नवप्रदेश। जिले में कुर्मी समाज के सामाजिक संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला इकाई की बैठक रखी गई। बैठक के दौरान सामाजिक संगठन के विस्तार व क्रिया कलाप पर चर्चा करते हुये ,समाज को संगठित करने के लिये कार्य योजना की रूप रेखा बनाई गई। इस दौरान जिला सरक्षक केदार वर्मा, उपाध्यक्ष चमन वर्मा, उपाध्यक्ष भूपेंद्र चंद्राकर , कोषाध्यक्ष राजकुमार कौशिक , श्रीमती चारूलता मनु, श्रीमती पुष्पा नायक, श्रीमती कुसुम वर्मा, श्रीमती शांता वर्मा, श्रीमती मन टोरा वर्मा, श्रीमती राम कुमारी वर्मा, श्रीमती किरण वर्मा, अयोध्या प्रसाद वर्मा, धनसिंह सनोडिया, राजेंद्र कुमार वर्मा, राम रुद्र पटेल, एम के वर्मा, सचिव चंद्रलाल देशमुख , प्रशांत मनु, सुशील कुमार वर्मा सहित समाज अन्य सदस्य गण उपस्थित थे।

कलेक्टर व एसपी ने की कानून व्यवस्था की समीक्षा

कोंडागांव/नवप्रदेश। कलेक्टर कुणाल दुदावत एवं पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार ने जिले में कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों को सजगता के साथ कार्य करने तथा गंभीर विवादों के स्थान पर तत्काल स्वयं पहुंचकर विवादों का समाधान करने के निर्देश दिए।

बिजली के दामों में 8 फीसदी बढ़ोत्तरी को वापस ले भाजपा सरकार: विक्रम मंडावी

- धरना प्रदर्शन कर सीएम के नाम कलेक्टर को ज्ञापन

विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बना
- बीजालपुर/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर और जिले के सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों में बिजली कटौती और बिजली के बढ़े हुए दामों को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया है। जिला कांग्रेस कमेटी ने धरना प्रदर्शन हेतु बीजापुर ब्लॉक के लिए प्रभारी मिच्चा मुतेया जनपद उपाध्यक्ष भोपालपटनम,

एक प्रशिक्षक दो स्थानों पर पोस्टिंग

- सूचना के अधिकार से हुआ खुलासा

एकलव्य खेल परिसर और बिलासपुर जिले के मस्तूरी में संदीपनी स्कूल में कार्यरत

दत्तेवाड़ा/नवप्रदेश। जिले में खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण हेतु जिला प्रशासन द्वारा सर्व सुविधा युक्त एकलव्य खेल परिसर की स्थापना की गई है। जिले के एजुकेशन जावंगा स्थित खेल परिसर में बेसबॉल प्रशिक्षक की नौकरी कर रहा व्यक्ति बिलासपुर जिले में भी एक साथ निजी स्कूल की ड्यूटी बजा रहा था। दोनों स्कूलों की बीच की दूरी 400 किमी से ज्यादा है। सूचना के अधिकार से प्राप्त दस्तावेज से इसका खुलासा हुआ। भर्ती फजी तरीके से अधिकारियों उक्त अधीक्षक की मिलीभगत से की गई थीं । पूरे मामले में अधीक्षिका के बयान से भी मिली भगत होना लग रहा है।

प्रशिक्षक लखनलाल देवांगन की नियुक्ति सत्र 2022-23 व सत्र 2023-24 में एकलव्य खेल परिसर जावंगा में के प्रशिक्षु खिलाड़ियों को बेसबॉल का प्रशिक्षण देने के नाम पर की गई थी। दो सत्र तक कार्य करने



के दौरान लखनलाल देवांगन बिलासपुर जिले के संदीपनी स्कूल पेंड्री, मस्तूरी में भी पीटीआई के पद पर कार्य कर रहा था। इस अवधि के दौरान 400 किमी दूर स्थित दत्तेवाड़ा जिले के जावंगा में नौकरी करने के एवज में उक्त प्रशिक्षक लखनलाल देवांगन को मासिक पे-डाटा पर 35 हजार की सैलरी उसके खाते में नियमित रूप से जमा होते आ रही थी। उक्त प्रशिक्षक कुछ हफ्ते आकर उपस्थिति रजिस्टर पर एक साथ हस्ताक्षर कर जाता था। उसके मानदेय का भुगतान संबंधित खेल परिसर के अधीक्षक की मिली भगत के बगैर संभव ही नहीं था। कूटरचना से फजी हस्ताक्षर कर वेतन का भुगतान किया जा रहा था, जो कि शासकीय था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पात्रता नहीं होने के बावजूद उक्त पीटीआई को एनआईएस

मामले का खुलासा जब हुआ तो जिला कलेक्टर को 27 जनवरी 24 को की गई एफ सात माह में सिर्फ खानापूर्ति के लिए 31 जनवरी को 24 को सिर्फ छह कर्मचारी का बयान लेने के बाद ठठे बस्ते में शिकायत को डाल दिया।

पूर्व में इस मामले की शिकायत लेकर जब संस्थान के बच्चे कलेक्ट्रेट पहुंचे, तो विभागीय कर्मचारियों ने उन्हें डहा-धमका कर कलेक्टर से मिलने नहीं दिया गया। इससे मामला दब गया।

कोच को मिलने वाले पे-स्केल के आधार पर भुगतान किया जा रहा था, जो कि शासकीय राशि का दुरुपयोग है।

जगतपिता भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में उमड़ी भक्तों की भीड़



सीजीएम संजीव शाही ने निभाया राजा का रस्म

किरंदुल/नवप्रदेश। किरन्दुल में रविवार को श्री जगन्नाथ मंदिर से गाजे बाजे के साथ जय जगन्नाथ के नारे के साथ भगवान जगन्नाथ बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की रथ निकली। श्री जगन्नाथ मंदिर के सामने रथ का विधि विधान के साथ जगन्नाथ पुरी एवं ओडिशा से आए पंडा ने पूजा अर्चना करने के बाद दोपहर 3 बजे रथ निकला। सोने की झाड़ू से झाड़ू माने की परंपरा छेरा पहँरा एनएमडीसी किरंदुल

मुख्य महाप्रबंधक संजीव शाही ने पूरी की।

विभिन्न स्थानों से होते हुए रात 08 बजे फुटबॉल ग्राउंड उक्तल समाज भवन में स्थित मौसी के घर गुंडिचा मंदिर में रथ यात्रा का समापन हुआ। समापन पर भक्तों ने खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया। रथ यात्रा में एनएमडीसी बचेली मुख्य महाप्रबंधक बी वेंकटेश्वरलु,उपमहाप्रबंधक बी के माधव,महाप्रबंधक प्लांट आर राजा कुमार, बचेली जीएम धर्मेन्द्र आचार्य,रवि नारायण रूबी आचार्य जीएम विद्युत एम सुब्रमण्यम,जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष आर सी नाहक,उत्कल समाज के अध्यक्ष अविनाश स्वाई,दैवारज लेंका,दीपक मोहनती,ब्रजेश मिश्रा एवम समिति के सदस्य तथा हजारों की संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

तरांदुल में संयुक्त रूप से मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

वृक्षारोपण व बालिकाओं को सांस्कृतिक वितरण किया गया

शिक्षा के बिना विकास की कल्पना अधूरी है: सरपंच

कांकेर/कोरार/नवप्रदेश। वनांचल पहाड़ी पर स्थित गांव तरांदुल में प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, कन्या आश्रम प्राथमिक शाला और शा उ मा वि तरांदुल के संयुक्त तत्वावधान में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। व्याख्याता प्रदीप कुमार सेन ने बताया कि शिक्षक सत्र 2024 - 25 के शाला प्रवेश उत्सव के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम सरपंच फानु नर कावड़े एवं विशिष्ट अतिथि ग्राम उपसरपंच जगत राम गोटा , विशेष अतिथि ग्राम पटेल देवसिंह



गोटा , सेवक राम गोटा शिवप्रसाद गोटा , अंकालुगाम गोटा तिजाऊ कोराम, सुखी राम गोटा, केजा राम गोटा, चमार सिंह शोरी, जोहन राम गोटा एवं अध्यक्षता संस्था प्राचार्य चन्द्रकान्त साहू की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया गया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कावड़े ने कहा कि शिक्षा के बिना विकास की कल्पना अधूरी है पढ़ लिखकर ही बच्चे

विकास के मुख्यधारा से जुड़ सकते हैं बच्चों के भविष्य पर ही देश का भविष्य निर्भर करता है इसलिए बच्चे को प्रतिदिन स्कूल आना है और शिक्षकों के द्वारा जो अध्यापन किया जाता है उसे घर में जाकर भी तैयारी करना है। विशेष अतिथियों ने कहा कि बच्चे नियमित स्कूल आए और संस्था की हर गतिविधियों में शामिल हो। शासन चाहता कि प्रत्येक बच्चा संस्था की हर गतिविधि में भाग ले

और सभी अपनी सहभागिता निभाएं। संस्था प्राचार्य चन्द्रकान्त साहू ने कहा कि छात्र छात्राओं को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से शासन कक्षा नवमी की बालिकाओं को निशुल्क सरस्वती सायकल वितरण, प्राथमिक और माध्यमिक शाला के सभी बच्चों को पाठ्य-पुस्तक, गणवेश मध्यान भोजन, छात्रवृत्ति आदि योजनाओं के माध्यम से शिक्षा को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। बच्चे प्रतिदिन स्कूल

स्वसहायता समूह से जुड़कर सविता बर्नी लखपति दीदी

वृ स्वरोजगार से हो रही सालाना एक लाख रुपए से अधिक की आय

कांकेर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वसहायता समूह के माध्यम से महिलाओं के जीवन में काफी बदलाव आया है। समूह से जुड़कर कई ग्रामीण महिलाओं में आर्थिक आत्मनिर्भरता आई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से कुछ महिलाएं अपनी आय में वृद्धि करते हुए एक लाख से अधिक की सालाना आय प्राप्त कर लखपति दीदी बन गई हैं। ऐसी ही लखपति दीदी कांकेर विकासखंड के गांव सिंदेसर की



रहने वाली श्रीमती सविता साहू हैं, जिन्होंने समूह से जुड़कर अपना स्वयं का रोजगार शुरू करने की ठानी और आज मिनी राईस मिल स्थापित कर आज एक लाख से भी अधिक की सालाना आय प्राप्त कर रही हैं।

श्रीमती सविता साहू ने बताया

कि वे वर्ष 2012 में गायत्री स्व सहायता समूह से जुड़ी हैं। शुरूआत में समूह की महिलाएं दोना-पत्तल बनाने का कार्य करती थीं। इसके बाद मशरूम उत्पादन का कार्य शुरू किया गया। इस दौरान उन्होंने अपनी आय को बढ़ाने के लिए खुद का रोजगार शुरू करने के बारे में सोचा। इसके बाद एडीईओ एवं बीपीएम ने उन्हें प्रधानमंत्री स्व रोजगार योजना के अंतर्गत ऋण लेने की सलाह दी। फिर उन्होंने वर्ष 2021 में स्वरोजगार योजनान्तर्गत 10 लाख रूपए और बिहान से 05 लाख रूपए का ऋण लेकर मिनी राईस मिल स्थापित की।

खुलेआम खाद की कालाबाज़ारी को रोकने में विभाग नाकाम



पखांजूर/नवप्रदेश। कांकेर जिले के परलकोट क्षेत्र का जहां लाखों की आबादी में बसा ये किसानों का क्षेत्र पूरे राज्य में खेती आयोजन के नाम पर जाना जाता है वही किसानों की हालत अब नकली बीज नकली खाद और दवाइयों की वजह से बद से बदतर होती नजर आ रही है। विभाग इस पर अंकुश लगाने नाकाम दिखाई दे रही है इस मामले में व्यापारी संघ के अध्यक्ष असीम पाल द्वारा बताया गया की संगम क्षेत्र में सबित्री कृषि केंद्र द्वारा बिना लाइसेंस द्वारा खुलेआम खाद घर पर गाँव ध्व 123 में रख कर घर घर बेचा जा रहा है विभाग के कर्मचारी एन आर नेताम और मनोज सरकार को दिया गया उनके द्वारा उनके दुकान में जाकर जांच की गई। जबकि घर पर खाद की जानकारी थी पर घर नहीं गए न कही जानकारी दी गई जब मिडिया द्वारा सवाल किया गया तो मनोज सरकार ने बताया कि उच्च अधिकारी फोन नहीं उचते जिस वजह से घर नहीं जा पाए हयें

घर पर जांच की अनुमति नहीं है। वहीं व्यापारी संघ से फर्जी गोदाम की जानकारी विभाग को मिलने के बाद कार्यवाही नहीं होना बहुत बड़ा सवाल खड़ा करता है जिसपर किसान संघ के अध्यक्ष ने स्थानीय विभाग के कर्मचारियों पर नाराजगी जताते हुए कहा की विभाग कोई जिम्मेदारी नहीं निभा पा रहा है जिसका खमियाजा क्षेत्र के लाखों किसानों को उठाना पड़ रहा है। यहाँ बिना बिल कृषि कार्य में उपयोगी विक्रता है अवैध गोदामों का पता नहीं है विभाग को वही कृषि विभाग के अधिकारी एन आर नेताम का कहना है की क्षेत्र बड़ा होने की वजह से सभी जगह का जंच संभव नहीं है। संगम क्षेत्र के भाजपा नेता शिवानंद ने बताया कि ऐसे लोगों पर कार्यवाही होनी चाहिए जो बिना लाइसेंस के मॉल बेचते है वही व्यापारी संघ के अध्यक्ष द्वारा सवाल किया गया तो मनोज सरकार ने बताया कि उच्च अधिकारी फोन नहीं उचते जिस वजह से घर नहीं जा पाए हयें

मणिपुर पृष्ठ का शेष

मणिपुर राहत शिविरों में ... में फंडितो से मिलने के बाद राहुल गांधी इंपल एयरपोर्ट पहुंचे। शाम में वह राज्यपाल से मिलेगे।

जिरिबाम में पीड़ितों से मिलने के बाद राहुल गांधी चुराचांदपुर जिले में तुड़बोंग के मंडप पहुंचे। यहां उन्होंने राहत शिविरों में रह रहे लोगों से मुलाकात की। राहुल गांधी तीसरी बार मणिपुर का दौरा कर रहे हैं। राज्य में पिछले साल जातीय हिंसा शुरू होने के बाद जून 2023 में वह मणिपुर आए थे और इस साल की शुरुआत भी इसी राज्य से की थी।

मणिपुर में जारी है जातीय हिंसा मैट्रिडि समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पिछले साल तीन माई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

मुंबई में भारी बारिश के ... सड़कों पर खड़ी कारों भी पानी में तैर रही हैं। बृहन्मुंबई नगर पालिक (बीएमसी) ने सरकारी और निजी स्कूलों और कॉलेजों में विरोध में पिछले साल तीन माई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

आपदा नियंत्रण कक्ष में एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में मुंबई के संरक्षक मंत्री एमपी लोढा, राहत और पुनर्वास मंत्री अनिल पाटिल भी शामिल थे। बैठक में सीएम शिंदे ने कहा, «कल रात से मुंबई में 300 मिमी बारिश हुई। बारिश के पानी को निकालने के लिए 200 पानी के पंपों और 400 बीएमपी पंपों को काम पर लगाया गया है। सेंट्रल और हार्बर लाइन पर ट्रेनें फिर से शुरू हो गई हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सेना, नौसेना और वायु सेना को अलर्ट पर रखा गया है।

राम निवास रावत टीम मोहन लेकिन उनकी जुबान फिसल गई। उन्होंने सुबह नौ बजे राज्य के मंत्री के बजाय कह दिया कि - «मैं मध्य प्रदेश के राज्यमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक और शुद्ध अंतःकरण से निर्वहन करूंगा।» इससे गफलत हुई कि वह राज्यमंत्री बनाए गए हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट हुआ कि वे कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं। उन्हें आधे घंटे में दोबारा शपथ लेनी पड़ी। तब जाकर शपथ प्रक्रिया पूरी हुई। इस्तीफे को लेकर गफलत विजयपुर से कांग्रेस विधायक रहे रामनिवास रावत 30 अप्रैल को भाजपा की सदस्यता ली थी। इसके बाद भी उन्होंने विधायकी से इस्तीफा नहीं दिया था। बजट सत्र में भी वे कांग्रेस विधायक की हैथियत से विधानसभा में मौजूद रहे। सूत्रों का कहना है कि वह मंत्री पद मिलने तक विधायकी छोड़ने को तैयार नहीं थे। कांग्रेस ने भी इसे मुद्दा बनाने की कोशिश की। कांग्रेस से राज्यसभा सांसद विवेक तन्झा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि «राम निवास जी मैं आपका आदर करता हूं।



कवर्धा/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप पूरे प्रदेश सहित कबीरधाम जिले में 6 जुलाई से 20 जुलाई तक राजस्व पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कबीरधाम जिले में अभियान के पहले दिन 6 जुलाई शनिवार को 8 ग्राम पंचायतों में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया,जिसमें 32 ग्राम पंचायतों के किसान, ग्रामीणजन शामिल हुए। कलेक्टर जनमेज महोबे ने पंडरिया अनुविभाग के कुछ तहसील अंतर्गत ग्राम मोहागांव में आयोजित राजस्व शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों और किसानों ने मिले आवेदनों का अवलोकन किया। इस अवसर पर कलेक्टर की उपस्थिति में किसानों की मांग पर किसानों को नए ऋण पुस्तिका भी जारी किया गया। कलेक्टर श्री महोबे ने किसानों को शिविर में ऋण पुस्तिका का भी वितरण किया। प्रदेश व्यापी राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत कबीरधाम जिले के ग्राम खड़ौदा खुर्द, कोठार,बड़ौदा कला, मोहागांव, महिडबरा,झिंगरा डोंगरी, ग्राम दलदली, और रेंगाखार में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में किसानों और ग्रामीणों ने राजस्व संबंधित 479 आवेदन मिले, शिविर में 309 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री महोबे ने शेष 170 आवेदन को निर्धारित समय सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री महोबे के निर्देश पर अपर कलेक्टर निर्भय साहू ने भी राजस्व शिविरों का निरीक्षण किया। साथ ही कवर्धा एसडीएम अनुपम टोप्पो, पंडरिया एसडीएम सन्दीप ठाकुर, बोड़ला एसडीएम श्रीमती गीता रायस्त और सहसपुर लोहारा एसडीएम सुश्री अन्नाक्षा नायक अपने अनुविभाग अन्तर्गत आयोजित राजस्व शिविरों का निरीक्षण किया और निराकरण की कार्यवाही से कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर ने निर्देशित करते हुए कहा कि इस अभियान के तहत प्राप्त होने वाले आवेदनों का निराकरण के लिए राज्य शासन द्वारा समय सीमा निर्धारित की गई है, उस समय सीमा



न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ में अब तक 196.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 196.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 08 जुलाई सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार कोरबा जिले में सर्वाधिक 329.7 मिमी और ससगुजा जिले में सबसे कम 94.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 135.5 मिमी, बलरामपुर में 222.4 मिमी, जशपुर में 188.4 मिमी, कोरिया में 175.7 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 138.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। इसी प्रकार, रायपुर जिले में 169.9 मिमी, बलौदाबाजार में 244.4 मिमी, गरियाबंद में 168.6 मिमी, महासमुंद में 166.0 मिमी, धमतरी में 169.5 मिमी, बिलासपुर में 284.0 मिमी, मुंगेली में 238.3 मिमी, रायगढ़ में 263.0 मिमी, सारांगढ़-बिलाईगढ़ में 149.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 219.7 मिमी, सकी में 207.4 मिमी, गैरिला-पेण्ड्रा-मखाही में 270.7 मिमी, दुर्ग में 118.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 187.7 मिमी, राजनांवांगव में 164.0 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी में 164.3 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 140.3 मिमी, बालोद में 164.2 मिमी, बेमेतरा में 112.5 मिमी, बस्तर में 238.8 मिमी, कोण्डागांव में 139.8 मिमी, कांकेर में 179.7 मिमी, नारायणपुर में 204.9 मिमी, दंतेवाड़ा में 191.2 मिमी और सुकमा में 327.8 मिमी, बीजापुर में 316.1 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से बेटियों की शादी की चिंता हुई दूर

रायपुर/नवप्रदेश। राखी सिक्का मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना कमजोर, आर्थिक परिस्थितियों वाले घरों की बेटियों के हाथ पीले कर माता पिता के आर्थिक बोझ को कम कर रही है। जिनकी घर में बेटियां होती है। उनके माता-पिता को बेटी की शादी योग्य उम्र होते ही चिंता सताने लगती है। हर मां-बाप का सपना होता है कि उनकी बेटी की शादी धूमधाम से हो लेकिन आर्थिक तंगी के कारण सपना अधूरा रह जाता है। ऐसे में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से हजारों परिवारों के माता-पिता के आर्थिक बोझ को कम कर उनकी चिंता दूर कर रही है। योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों को होने वाली आर्थिक परेशानियों को दूर करना, शादी के मौके पर फिजुलखर्ची को रोकना, सामूहिक विवाह के आयोजन से सामाजिक स्थिति में सुधार लाना है।

बाढ़ आपदा से बचाव के लिए बारिश में किया गया मॉकड्रिल

बेमेतरा/नवप्रदेश। कलेक्टर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय से 15 कि.मी. दूर स्थित ग्राम अमोरा से बहते हुये शिवनाथ नदी में बाढ़ आपदा से बचाव के लिए मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को घर में मौजूद सामग्री का बाढ़ में किस तरह उपयोग कर सकते हैं, इसका डेमो दिया गया। कलेक्टर ने बाढ़ आपदा से बचाव की आवश्यक तैयारियों का भी जायजा लिया और स्वयं उपस्थित होकर सम्पूर्ण क्रियाकलाप देखी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, जिला पंचायत सीईओ टेकेंद्र अग्रवाल, एडीएम अनिल वाजपेयी, संयुक्त कलेक्टर अंकिता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर दिव्या पोटई सर्व एसडीएम मौजूद रहे। जनसंपर्क विभाग कि टीम, स्वास्थ्य विभाग कि टीम,



भूपेश बोले- सांय-सांय बिजली कटौती, साय से ऊपर वाला भी रूठा

● पूर्व सीएम ने कहा-बिजली बिल से लग रहा 440 वोल्ट का झटका ● लालटेन लेकर पहुंचे भूपेश बघेल ने कहा- कटौती और दर में बढ़ोतरी से लोग परेशान

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में प्रदेश कांग्रेस द्वारा बिजली बिल में वृद्धि और बिजली सप्लाय में कटौती के मुद्दे पर जनआंदोलन किया। पुराने फर्नर ब्रिगेड चौक राजीव गांधी प्रतिमा के पास नागरिकों समर्थकों संग कांग्रेस नेताओं ने सरकार के खिलाफ

जमकर हल्ला बोल किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि विष्णु देव साय से ऊपर वाला भी रूठा गया है। पानी तक नहीं गिर रहा। बिजली बिल से जनता को 440 वॉट का झटका लग रहा है। लालटेन लेकर पहुंचे थे प्रदर्शन स्थल में पूर्व सीएम श्री बघेल।

धरना स्थल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के साथ ही रायपुर मेयर एजाज डेबर समेत कई पार्टी नेताओं, पार्षदों और पदाधिकारियों ने शिरकत की। अधोषिात बिजली कटौती और दरों में बढ़ोतरी से जनता परेशान है। दीपक बैज ने कहा कि- कांग्रेस कार्यकाल में 1 पैसा बिजली बिल में नहीं बढ़ाया गया। वहीं रायपुर के बिजली दफ्तर के सामने बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर साय सरकार के खिलाफनारेबाजी की। दुर्ग



के पाँवर हाउस में भी कांग्रेसी धरने पर बैठे। बिलासपुर के जरहाभावा स्थित राजीव गांधी चौक, रायगढ़ के रामनिवास टॉकीज के पास भी प्रदर्शन हुआ। कांग्रेस पार्टी में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मंत्रियों समेत तमाम बड़े नेता बिजली कटौती पर सवाल

उठा रहे हैं। बघेल लगातार अपने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश की बिजली व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि साय सरकार में सांय-सांय बिजली कटौती हो रही है।

- गरियाबंद जिले में प्रदर्शन, कहा- कटौती हो रही सांय-सांय
- जांजगीर चांपा में बल्ब की माला पहनकर प्रदर्शन
- पूर्व मंत्री मोहन मरकाम कोंडागांव में धरने दिए कहा- 5 साल संकट नहीं आया
- रायपुर बिजली दफ्तर के बाहर बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता नारेबाजी किये
- पूर्व सीएम भूपेश बघेल के साथ बड़ी संख्या में कांग्रेसी बिजली दफ्तर पहुंच तो पुलिस मुस्तैद

- राजीव गांधी चौक से कांग्रेसियों ने पैदल मार्च शुरू किया सभी लालटेन लेकर बूढ़ापारा बिजली ऑफिस पहुंचे
- भूपेश बघेल, दीपक बैज समेत सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस के नेता कार्यकर्ता पैदल मार्च कर पहुंच रहे।
- अन्य दिग्गज कांग्रेसियों नेता, पूर्व मंत्री, विधायक प्रदर्शन कार्यक्रम में आने की बजाये खुद आयोजन में व्यस्त रहे।

छत्तीसगढ़ में पानी भी नहीं गिर रहा है

रायपुर में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- आदिवासी मुख्यमंत्री हैं और आदिवासियों के साथ अत्याचार हो रहा है। विष्णु देव साय से ऊपर वाला भी रूठ गया, पानी तक नहीं गिर रहा। हमारी सरकार में कभी अकाल की स्थिति नहीं हुई, लेकिन विष्णुदेव सरकार से भगवान भी नागज हैं, पानी तक नहीं गिर रहा है। जिस राज्य में कोयला उत्पादन, वहां बिजली कटौती हो रही।

आयुर्वेद चिकित्सालय में 1342 बच्चों का स्वर्णप्राशन

n राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत हर पुष्य नक्षत्र तिथि में 0-16 वर्ष के बच्चों को कराया जाता है स्वर्णप्राशन

रायपुर/नवप्रदेश। बच्चों के व्याधिक्षमत्व, पाचन शक्ति, स्मरण शक्ति, शारीरिक शक्ति वर्धन एवं रोगों से बचाव के लिए शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय रायपुर में आज 1342 बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया गया। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय के कौमारभृत्य विभाग द्वारा हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाता है।

स्वर्णप्राशन के साथ ही डॉ. लवकेश चंद्रवंशी ने बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय



चिकित्सालय परिसर में आयुष विभाग की संचालक सुश्री इप्सता आरा, प्राचार्य प्रो. डॉ. जी.आर. चतुर्वेदी, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार जोशी और कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीरज अग्रवाल के निर्देशन में स्वर्णप्राशन कराया गया।



स्वर्णप्राशन समन्वयक डॉ. लवकेश चन्द्रवंशी ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए यह काफी लाभदायक है। महाविद्यालय के स्नातकोत्तर एवं स्नातक छात्र-छात्राएं हर महीने इसमें महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आयुर्वेद महाविद्यालय

तबादले के बाद भी नहीं छूट रहा कोरबा का मोह

n अफसर भी दे रहे रदद कराने का भरपूर मौका

कोरबा/नवप्रदेश। लोकसभा चुनाव से पहले कोरबा जिले से तबादला पर भेजे गए कुछ अधिकारी-कर्मचारी अभी भी जिले में ही जमे हुए हैं। यही नहीं, वे अपना तबादला रद्द कराने का भी प्रयास कर रहे हैं। हैरत की बात यह है कि जिले के जिम्मेदार अधिकारी भी इनको भरपूर मौका दे रहे हैं और रिलीव करने में कोताही बरत रहे हैं।

हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव से पहले जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों का राज्य शासन ने तबादला आदेश जारी किया था। अनेक अधिकारी-कर्मचारी आदेश मिलते ही रिलीव होकर नए पद स्थापना स्थल पर चले गए, लेकिन कुछ अधिकारी रिलीव होने में लेट लतीफी करते रहे। इस बीच लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू

हो गई और इसी की आड़ में वे सभी अपनी-अपनी जगह पर जमे रहे। अब आचार संहिता खत्म हो गई है, परन्तु तबादलाशुदा अधिकारी अभी भी रिलीव होने को तैयार नहीं हैं। अब वे जोरशोर के साथ तबादला रदद कराने के प्रयास में जुट गए हैं।

वरिष्ठ अधिकार दे रहे सह

खास बात यह है कि जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी इन्हें रिलीव करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं। लगता है, अधिकारियों को भी किसी खास वजह से इनसे गहरा लगाव हो गया है। अब तक अधिकारियों के पास भी चुनाव आचार संहिता का बहाना था।

मगर आचार संहिता खत्म हुए भी एक माह का समय बीत गया है, फिर भी इन्हें रिलीव नहीं किया जा रहा है। अब शायद वे रिलीवर के नहीं आने का सजता से बहाना करेंगे।

महावृक्षारोपण अभियान

मार्च 2025 तक 140 करोड़ पौधों का किया जाएगा रोपण

n छत्तीसगढ़ में 03 करोड़ 85 लाख पौधों का होगा रोपण

n राज्य में ‘‘एक पेड़ मां के नाम’’ महावृक्षारोपण अभियान 11 जुलाई से

रायपुर/नवप्रदेश। ‘‘एक पेड़ मां के नाम’’ महावृक्षारोपण अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक-से-अधिक पौधा रोपित कर राज्य को हरा-भरा बनाकर पर्यावरण संतुलन बनाये रखना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 2024 को ‘‘एक पेड़ मां के नाम’’ वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ प्रारंभ किया गया। इस अभियान के तहत देश में सितम्बर 2024 तक 80 करोड़ एवं मार्च 2025 तक 140 करोड़ वृक्षों का रोपण किया जाना प्रस्तावित है। ‘‘एक पेड़ मां के नाम’’ महावृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में वन विभाग द्वारा वन एवं वनेतर क्षेत्रों में 03 करोड़ 85 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।

राज्य में ‘‘एक पेड़ मां के नाम’’ महावृक्षारोपण अभियान 11 जुलाई शाम 4 बजे जैव विविधता पार्क, अटल नगर, नवा रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य अतिथ्य में और अध्यक्ष

वन मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में सम्पन्न होगा। महावृक्षारोपण अभियान में अति विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री अरूण साव, विजय शर्मा एवं सांसद रायपुर बुजमोहन अग्रवाल, विधायक अभनपुर, इंद्र कुमार साहू, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋक्षा शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव के रूप में उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री साय के द्वारा वृक्षारोपण स्थलों का नामकरण स्थानीय देवी-देवताओं के नाम से करने का आह्वान किया गया है। राज्य के सभी जिलों के पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत आग, जामुन, बेल, कटहल, सीताफल, अनार, शहतूत, बेर, तैलदार, गंगाईम्ली जैसे फलदार पौधे तथा लघु वनोपज एवं औषधीय प्रजाति के पौधों जैसे- हर्रा, बहेड़ा, आंवला, नीम, पुत्रन्जीवा, काला



सिरस, रीठा, चित्रक आदि प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में छायादार प्रजातियां बरगद, पीपल, मौलश्री, कदम, पेल्टापर्म, गुलमोहर, करंज, अशोक, अर्जुन के साथ अन्य प्रजातियों का रोपण किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सभी स्कूलों, छात्रावासों, आंगनवाड़ी केन्द्र, पुलिस चौकी, अस्पताल, शासकीय परिसर, शासकीय एवं आशासकीय भूमि, विभिन्न संस्थानों की रिक्त भूमि पर इस महावृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है।

महावृक्षारोपण अभियान के तहत समस्त शासकीय विभाग, गैर सरकारी संगठन, स्वयं सेवी संस्थान, वनप्रबंधन समिति के सदस्यों, सभी स्तर के पंचायत संस्थान, महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाकर उनकी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए वृक्षारोपण किया जाएगा।

कृषि कॉलेज में निदेशक ने किया परिभ्रमण

बेमेतरा/नवप्रदेश। रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र ढोलिया, बेमेतरा के डॉ. एस.एस. टुटेजा, निदेशक फार्म विस्तार, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा परिभ्रमण किया गया। डॉ. टुटेजा द्वारा कृषि महाविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न इकाइयों एवं कार्यों का पुरा जायजा लिया गया। उन्होने ब्रीड सीड प्रोग्राम के तहत सोयाबीन फसल का बारिकी से अवलोकन किया एवं फसलोत्पादन संबंधी सुझाव साझा किये। कृषि महाविद्यालय की नर्सरी युनिट में वर्तमान में टमाटर, मिर्च, एवं गोभी की उच्च गुणवत्ता युक्त नर्सरी तैयार कर रही है। जिसमें टमाटर के 50,000 मिर्च के 10,000 एवं गोभी के 10,000 पौधे तैयार किये गये हैं जो कि महाविद्यालय में बहुत ही कम किमत पर किसानों के लिए उपलब्ध रहेंगे। डॉ. टुटेजा द्वारा नर्सरी युनिट और कचरा से धन प्रोजेक्ट के अंतर्गत अलसी कपड़ा युनिट का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने प्रत्येक युनिट की कड़ी मेहनत एवं कार्यकुशलता की सराहना की। फार्म में कृषि कार्यों के अलावा डॉ. टुटेजा द्वारा महाविद्यालय के विभिन्न क्रियाकलापों, स्मार्ट क्लास, प्रायोगिक कक्षा, छात्रावास एवं छात्र-छात्राओं की विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया। यह परिभ्रमण कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डॉ. संदीप भंडारकर के नेतृत्व में संचालित किया गया। इसमें कृषि महाविद्यालय के पूर्व

इन्फ्रास्ट्रक्चर के सेक्टर में निवेश बढ़ा, संबंधित कंपनी को मुनाफा

रायपुर/नवप्रदेश। भारत की इन्फ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्री एक आश्चर्यजनक बदलाव से गुजर रहा है, जिसके प्रभाव को हम एक दशक बाद पीछे मुड़कर देखेंगे तो पूरी तरह से समझ पाएंगे। अगर इसकी समीक्षा की जाए तो कभी नहीं देखे गए इन्फ्रास्ट्रक्चर कैपेक्स साइकल की शुरुआत हो चुकी है और यह आने वाले कई दशकों के लिए भारत के विकास की नींव रखेगा। विश्व स्तर पर बहुत कम क्षेत्र, सरकार की नीतियों से जुड़े हुए हैं जितना इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर जुड़ा है। इसलिए भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर के भविष्य के बारे में यह महत्वपूर्ण है कि यहां लाने के लिए नीतिगत बदलाव जरूरी है।

दरअसल, साल 1991 में भारत के आर्थिक लिबलाइजेशन की शुरुआत हुई थी। उस समय के स्वर्गीय प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव और तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ मनमोहन सिंह द्वारा घोषित सुधारों को सामूहिक रूप से एलपीजी सुधार के रूप में जाना जाने लगा। ये लिबलाइजेशन, प्राइवेटाइजेशन और ग्लोबलाइजेशन के लिए खड़े थे। बात अगर इंफ्रस्ट्रक्चर क्षेत्र में भारत के सबसे बड़े रूप अदाणी की करें तो 90 दशक की ये कंपनी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सौर ऊर्जा कंपनी बनी साथ ही भारत की सबसे बड़ी एयरपोर्ट कंर्पनी है। जिसकी पैसेंजर टैरिफ्र में 25व और एयर कागों में 40व हिस्सेदारी है। साथ ही भारत की सबसे बड़ी पोर्ट और लिजिस्टिक्स कंपनी है, जिसकी राष्ट्रीय बाजार में हिस्सेदारी 30व है।

ये भारत की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड एनर्जी कंपनी है, जो उत्पादन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन, एलएनजी और एलपीजी टर्मिनलों और शहरी गैस और पाइप गैस वितरण में फैली हुई है। इतना ही नहीं ये भारत की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता कंपनी है। इसके अलावा भी हम मेटल, पेट्रोकेमिकल्स,



गुना तक बढ़ गई इसलिए लिबलाइजेशन की ताकत का सत्यापन इन आंकड़ों से बेहतर कोई नहीं कर सकता। इन सुधारों ने भारत के आर्थिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिन्हित किया और लाइसेंस राज को खत्म कर दिया, जिसने सरकार को लगभग हर उस कर्पनियंता बाजार पर आधारित इस नई व्यवस्था में शामिल देखा, जिसकी पैसेंजर टैरिफ्र में 25व और एयर कागों में 40व हिस्सेदारी है। इतना ही नहीं ये भारत की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता कंपनी है। इसके अलावा भी हम मेटल, पेट्रोकेमिकल्स,

एयरोस्पेस और डिफेंस, सुपर ऐप और इंडस्ट्रियल क्लाउड समेत कई दूसरे नए क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। लिबलाइजेशन के बाद के दौर ने इसे फिर साबित कर दिया। पहले के जमाने की धीमी गति से चलने वाली ज्यादातर कर्पनियंता बाजार पर आधारित इस नई व्यवस्था में खुद को ढालने में नाकाम रहें। या तो वो बिलकुल खत्म हो गईं या फिर अपनी पूरी क्षमता को हासिल नहीं कर पाईं। वहीं दूसरी तरफ आज की तारीख में भारत की कर्पनियंता, जो लिबलाइजेशन के बाद बनी हैं, वो काफी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इंडस्ट्री लीडर्स का मानना है कि आर्थिक वृद्धि जारी रखने के लिए द्वांचागत सुधारों को जारी रखना होगा। वितरण में फैली हुई है। इतना ही नहीं ये भारत की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता कंपनी है। इसके अलावा भी हम मेटल, पेट्रोकेमिकल्स,

इसके लिए जरूरत है सरकार को बजट में द्वांचागत सुधारों, स्ट्रैटैजिक इन्फ्रस्ट्रक्चर, सेंट्रल सेक्टरल इंसेंटिव और रेशनल टैक्स सिस्टम को प्राथमिकता देने की। इसके जरिए भारत मौजूदा चुनौतियों का सामना कर सकता है और मजबूती से आगे बढ़ने के साथ लंबे समय में एक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बना रह सकता है। विकास के लिए सरकार का सबसे अधिक फोकस सड़क, हाईवे, रेल, दूसरी लॉजिस्टिक व्यवस्था, बिजली, एयरपोर्ट, बंदरगाह जैसी इंफ्रस्ट्रक्चर सुविधाओं के विस्तार पर रहा है और यह आगे भी जारी रहेगा। वित्त वर्ष 2014-15 से लेकर चालू वित्त वर्ष 2023-24 के अपने कार्यकाल के दौरान मोदी सरकार ने इंफ्रस्ट्रक्चर सुविधाओं के विकास पर 43.9 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

आम बजट : इंफ्रास्ट्रक्चर विकास जारी रखे सरकार, ढांचागत सुधारों पर हो जोर

नई दिल्ली। भारत सरकार चालू वित्त वर्ष के लिए आम बजट 23 जुलाई को संसद में पेश करेगी। इस बजट से इंडस्ट्री को काफी उम्मीदें हैं। इंडस्ट्री लीडर्स का मानना है कि आर्थिक वृद्धि जारी रखने के लिए ढांचागत सुधारों को जारी रखना होगा। इसके साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास भी करना होगा, जिससे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सके।

इंडस्ट्री चैंबरस के मुताबिक, सरकार को बजट में ढांचागत सुधारों, स्ट्रैटेजिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, केंद्रीय सेक्टरोल इंसेंटिव और तर्कसंगत कर प्रणाली को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके जरिए भारत मौजूदा चुनौतियों का सामना कर सकता है और मजबूती से आगे बढ़ने के साथ लंबे समय में एक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बना रह सकता है।

एसोसिएशन ने सुझाव दिया है कि परिवहन, एनर्जी, पानी की आपूर्ति और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के लिए निवेश को



बढ़ाया जाए। इससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी, उत्पादकता में इजाफा होगा और साथ ही प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पर्यावरण को लेकर बढ़ती चुनौतियों पर सुझाव देते हुए देश के अग्रणी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने कहा कि सरकार को क्लीन टेक्नोलॉजी और रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स आदि

को कृषि, मैन्युफैक्चरिंग और परिवहन में प्रमोट करने के लिए नई नीतियां और इंसेंटिव लाने चाहिए। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने कहा कि सरकार को नियमों को आसान बनाना चाहिए। साथ ही अनुमति और परमिट देने में तेजी लानी चाहिए। साथ ही निवेश आकर्षित करने और परिचालन को तेज

बनाने के लिए डिजिटाइजेशन का फायदा उठाना चाहिए।

संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से लेकर 12 अगस्त तक चलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को बजट पेश करेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पहले ही एलान किया जा चुका है कि अगले पांच वर्ष

गरीबी को खिलाफ काफी अहम होंगे।भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार से व्यापार करने की लागत को कम करने के लिए भूमि पर स्टांप शुल्क को तर्कसंगत बनाने और बिजली दरों पर क्रॉस-सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने का अनुरोध किया है।

साथ ही सीआईआई ने यह भी सुझाव दिया है कि कोयला मूल्य निर्धारण, आवंटन और परिवहन के लिए कैप्टिव पावर प्लांट (सीपीपीएस) को बिजली क्षेत्र के बराबर लाया जाना चाहिए।सरकार को नेशनल लॉजिस्टिक पॉलिसी के तहत पेपरलेस लॉजिस्टिक्स के लिए डिजिटाइजेशन जारी रखना चाहिए। इससे समय की बचत होगी और लागत में कमी आएगी।सीआईआई ने आगे कहा कि सरकार को कॉरपोरेट टैक्स को चालू दर पर रखना चाहिए, जिससे व्यापारी टैक्स को लेकर निश्चित रहे। साथ ही जोर देते हुए कहा कि पूंजीगत कर ढांचे को तर्कसंगत बनाया जाना चाहिए।

पैकेज्ड फूड पर एफएसएसआई का बड़ा फैसला अब कंपनियों को बड़े अक्षरों में बतानी होगी पैट की मात्रा

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों के लेबल पर नमक, चीनी और संतुप्त वसा के बारे में बोल्ड अक्षरों के साथ ही बड़े फॉन्ट में जानकारी देने को अनिवार्य करने की तैयारी कर रहा है। नियामक ने शनिवार को इस संबंध में लेबलिंग के नियमों में बदलाव को मंजूरी दी है। एफएसएसएआई के अध्यक्ष अपूर्व चंद्रा की अध्यक्षता में आयोजित खाद्य प्राधिकरण की बैठक में यह फैसला लिया गया। इसमें पोषण संबंधी जानकारी लेबलिंग के संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020 में संशोधन को मंजूरी देने का निर्णय लिया गया। संशोधन का मकसद उपभोक्ताओं को उत्पाद के पोषण मूल्य को अच्छी तरह समझने और बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

इस संशोधन से संबंधित मसौदा अधिसूचना अब सुझावों एवं आपत्तियों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा। कुल चीनी, कुल संतुप्त



वसा और सोडियम सामग्री की जानकारी प्रतिशत में दी जाएगी और इसे मोटे और बड़े अक्षरों में लिखा जाएगा। बता दें कि एफएसएसएआई झूठे और भ्रामक दावों को रोकने के लिए समय-समय पर सलाह जारी करता है। इनमें 'हेल्थी ड्रिंक' शब्द को हटाने के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइट को भेजी गई सलाह शामिल है।

इसके अलावा, सभी खाद्य व्यवसाय ऑपरेटर्स (एफबीओ) को फलों के रस के लेबल एवं विज्ञापनों से 'शत-प्रतिशत फलों के रस' से संबंधित किसी भी दावे, गेहूं का आटा/परिष्कृत गेहूं का आटा जैसे शब्द के उपयोग,

खाद्य वनस्पति तेल आदि के लिए पोषक तत्व संबंधी दावे को हटाना अनिवार्य करने का निर्देश दिया गया है। ये सलाह और निर्देश एफबीओ द्वारा भ्रामक दावों को रोकने के लिए जारी किए गए हैं। मार्केट में तमाम ऐसे प्रोडक्ट बिकते हैं, जिनकी पैकेजिंग तो हेल्थी चॉइस के रूप में होती है, लेकिन उनमें कई ऐसे इंग्रिडिएंट्स होते हैं, जो नुकसान पहुंचाते हैं। हालांकि, सभी प्रोडक्ट्स खुद को हेल्दी बताकर ही अपनी मार्केटिंग करते हैं।आप कभी भी कोई पैकेज्ड फूड खरीदते हैं तो उसके लिए लेबल जरूर चेक करना चाहिए।

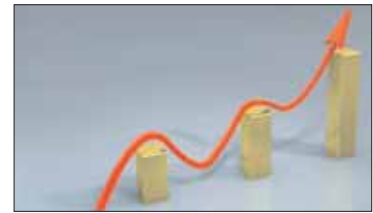
यूजर्स के डीएम को मैनुअल रूप से रिव्यू कर रहा एक्स, मस्क ने नहीं दिया स्पष्ट जवाब

नई दिल्ली। एक्स अपनी सर्विस के कथित उल्लंघनों और दुरुपयोग की जांच करने, या कानूनों या सरकारी अनुरोधों का अनुपालन करने के लिए कुछ यूजर्स के डीएम (डायरेक्ट मैसेज) को मैनुअल रूप से रिव्यू कर रहा है। किम डॉटकॉम नाम से एक एक्स यूजर ने सोमवार को इस पॉलिसी अपडेट को पोस्ट किया, जिसका एलन मस्क स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए, जो कि प्लेटफार्म पर कंटेंट को एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन प्रदान करने की पॉलिसी के खिलाफ है। मस्क ने रिप्लाई में कहा, यह वर्तमान में अजीब तरीके से काम करता है (अगर आप इसे ऑन रखते हैं)। हम इसके इस्तेमाल को आसान बनाने और रूप मैनेज पर भी लागू करने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एक्स ऑडियो और वीडियो कॉल ऑटोमैटिक रूप से एन्क्रिप्ट किए जाते हैं। कई यूजर्स ने एक्स द्वारा डीएम की मैनुअल रूप से रिव्यू करने पर चिंता जाहिर की। एक एक्स यूजर ने पोस्ट किया, क्या यह मेरी गलती है या एलन, किम के सवाल को समझ नहीं पाए? किम सरकारी अनुरोध पर डीएम रिव्यू करने को लेकर चिंतित हैं।

एमएसएमई में रोजगार 20 करोड़ के पार, एक वर्ष में 66% हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) में रोजगार का आंकड़ा 20.2 करोड़ पर पहुंच गया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल के डाटा से ये जानकारी मिली है। डेटा के मुताबिक, एमएसएमई द्वारा की गई नियुक्तियों में सालाना आधार पर 66 प्रतिशत का उछाल आया है। पिछले वर्ष यह आंकड़ा 12.1 करोड़ नियुक्तियों का था। इन नियुक्तियों में से महिलाओं की संख्या 4.54 करोड़ है।

मौजूदा समय में उद्यम पोर्टल पर 4.68 करोड़ एमएसएमई पंजीकृत हैं। इसमें से 4.6 करोड़ सूक्ष्म हैं, जो सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा करते हैं। सूक्ष्म उद्योग इकाई वह होती है, जहां प्लांट और मशीनरी की वैल्यू एक करोड़ रुपये से ज्यादा की नहीं होती और टर्नओवर पांच करोड़ रुपये तक होता है।वित्त मंत्री ने इस वर्ष की शुरुआत में मासिक इकोनॉमिक रिपोर्ट में जोर देते हुए कहा था कि एमएसएमई सेक्टर में रोजगार पाने वाले लोगों की संख्या में उद्यम पोर्टल लॉन्च होने के बाद



5.3 गुना का इजाफा हुआ है। सरकार द्वारा इस पोर्टल को जुलाई 2020 में लॉन्च किया गया था। सरकार ने इस पोर्टल पर एमएसएमई का पंजीकरण प्रोसेस काफी आसान कर दिया है। हर कैटेगरी की परिभाषा तय की गई है, जिससे एमएसएमई सरकार की स्क्रीमों में दिए जाने वाले लाभ को आसानी से उद्य संके।लघु उद्योग वह होता है। जहां प्लांट और मशीनरी की वैल्यू 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की नहीं होती है। और टर्नओवर 50 करोड़ रुपये से कम का होता है। मध्यम उद्योग में प्लांट और मशीनरी की वैल्यू 50 करोड़ रुपये तक की होती है। वहीं, टर्न ओवर 250 करोड़ रुपये से ज्यादा नहीं होता है।

खेल, मनोरंजन

बिलासपुर क्रिकेट संघ को छग का सर्वश्रेष्ठ अवार्ड

बिलासपुर/नवप्रदेश। मायरा रिसोर्ट रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित वर्ष 2023-24 का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव व कार्यक्रम की अध्यक्षता टंक राम वर्मा ,मंत्री खेल युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किया गया।

किरण देव ने के अवसर पर कहा कि मैं एक क्रिकेटर रहा हूं राज्य के खिलाड़ियों के तारीफ की और कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रहे हैं अपने समय की याद करता हूं और पुराने साथी खिलाड़ियों को याद किया। खेल मंत्री टंक राम ने भी क्रिकेट संघ के खिलाड़ियों की प्रशंसा की और कहा कि मेरी जरूरत जहां राज्य

क्रिकेट संघ को पड़ेगी मैं उसे हर संभव मदद करने की कोशिश करूंगा।

कार्यक्रम में भारत के मशहूर डांस ग्रुप गोल्डन गर्ल ने भी अपने परफॉर्मंस सबको मंत्रमुग्ध किया सभी ग्रुप में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सम्मान किया गया जिसमें पुरस्कार राशि एवम ट्रॉफी प्रदान की गई।सर्वप्रथम क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिये पूर्व अध्यक्ष बलदेव सिंह भाटिया को लाइफ टाइम्स एक्सीलेंसव अवार्ड व छत्तीसगढ़ राज्य के एक मात्र टेस्ट खिलाड़ी राजेश चौहान को लाइफ टाइम्स अचीवमेंट दिया गया। इसके पहले छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ ने जिला क्रिकेट संघ बिलासपुर को उसके प्रदर्शन 2023-24 के आधार पर राज्य का सर्वश्रेष्ठ जिले का पुरस्कार 5 लाख एवम ट्रॉफी प्रदान



किया गया। बिलासपुर क्रिकेट संघ के खिलाड़ियों का अवार्ड कार्यक्रम में विशेष बोलबाला रहा जिसमें महिला वर्ग में अंडर-15 में सर्वाधिक रन बनाने के लिये चांद चेलक को नगद 25 हजार एवम ट्रॉफी प्रदान किया गया और अंडर - 19 टी -20 ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट लेने पर तानिया बेरिया के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया पुरुष वर्ग की विजय मर्चेंट ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट लेने पर धनंजय नायक को 25 हजार एवम ट्रॉफी प्रदान की गई अंडर-14 राजसिंह इंग्रपुर ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने पर आर्यनवीर भाटिया को 25 हजार

एवम ट्रॉफी प्रदान की गई अंतरजिला अंडर -14 क्रिकेट प्रतियोगिता में सर्वाधिक रन बनाने पर आयुष तोडकर को 25 एवम ट्रॉफी प्रदान की गई बिलासपुर बुल्स के आयुष पांडेय को सीके नायडू और वरुण भुई को विजय मर्चेंट एवम कूच बिहार ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के लिये पुरस्कार प्रदान किया गया राज्य क्रिकेट संघ द्वारा बिलासपुर बुल्स के कप्तान आईपीएल सुपरस्टार शशांक सिंह को विजय हजारे में छत्तीसगढ़ के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए नगद राशि और ट्रॉफी प्रदान की गई 7 बिलासपुर बुल्स के आयुष पांडे को छत्तीसगढ़ राज्य

क्रिकेट संघ का मेस सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। शशांक सिंह और अजय मंडल को आईपीएल में प्रतिनिधित्व के लिए नगद एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। डिस्ट्रिक्ट के प्लेट ग्रुप में कांकेर और एलिट ग्रुप में बिलासपुर बेस्ट डिस्ट्रिक्ट ऑफ द इंडर का अवार्ड अपने नाम किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के डायरेक्टर विजय शाह अध्यक्ष जुबिन शाह सचिव मुकल तिवारी वूमंस आईपीएल के सदस्य प्रभेजित व्यास क्रिकेट संघ बिलासपुर के अध्यक्ष नवीन जाजोदिया सचिव विन्टेश अग्रवाल, देवेन्द्र सिंह, आलोक श्रीवास्तव, अनुराग बाजपेई, विजय केसरवानी, नारायण अवती ऋषभ सोनी, जाकिर खान, महेश मिश्रा नंदकिशोर गिरीश आदि उपस्थित थे।

जीरो से हीरो बने अभिषेक ने सफलता के लिए पिता की सलाह को दिया श्रेय

हजारों। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के दूसरे मैच में यंग टीम इंडिया ने शानदार कमबैक करते हुए मेजबान टीम को 100 रनों से हराया। इस जीत के सबसे बड़े हीरो रहे युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, जिन्होंने डेब्यू मैच में शून्य पर आउट होने के बाद अगले ही मैच में शतक जड़ा। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा टी20 मैच खेल रहे 23 वर्षीय अंतरााउंडर ने रविवार को 46 गेंदों में तूफानी शतक जड़ा।46 गेंदों में बनाया गया यह शतक पुरुषों के टी20आई में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया संयुक्त तीसरा सबसे तेज शतक है।रोहित शर्मा का 2017 में 35 गेंदों में शतक और सूर्यकुमार यादव का 2023 में 45 गेंदों में शतक, दोनों ही श्रीलंका के खिलाफ भारत के लिए दो सबसे तेज शतक हैं।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता को दें महत्व : रश्मि

गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा की एक्ट्रेस रश्मि गुप्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने ट्रेंड के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया को एक्सपोजर और कनेक्शन के लिए जरूरी टूल बताया। फिलहाल रश्मि गुप्ता ध्रुव तारा- समय सदी से परे में चंद्रा की भूमिका निभा रहीं हैं।उन्होंने कहा, सोशल मीडिया एक्सपोजर और कनेक्शन के लिए जरूरी टूल के रूप में काम करता है, फिर भी मैं ट्रेंड और मेट्रिक्स के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता को प्राथमिकता देती हूं।एक्ट्रेस ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म दोधारी तलवार की तरह है।उन्होंने कहा, सोशल मीडिया ने मेरे काम के लिए नेटवर्किंग और विजिबिलिटी की सुविधा दी है। सहयोग करने और बड़ी संख्या में दर्शकों तक पहुंचने में मेरी मदद की है। रश्मि ने बताया कि सोशल मीडिया अभिशाप और वरदान दोनों हैं। यह लोगों को अपना टैलेंट दिखाने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करता है, यह व्यूज और फॉलोअर्स के लिए लिमिट्स को पार करने का कारण भी बन सकता है।एक्ट्रेस का मानना है कि वास्तविक जुड़ाव संख्या से कहीं ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर दूसरों की पॉपुलैरिटी से खुद की तुलना करने के बजाय मैं अपने सफर पर ध्यान देती हूं और मेरा मानना है कि वास्तविक जुड़ाव संख्याओं से कहीं ज्यादा



मायने रखता है।रश्मि ने आगे कहा, घटना-बढ़ना जैसे एल्गोरिदम निराशाजनक हो सकते हैं, लेकिन मैं व्यू काउंट की तुलना में मीनिंगफुल कंटेंट को प्राथमिकता देती हूं।एक एक्टर के तौर पर, वह कार्टिस्टिंग में सोशल मीडिया की अहमियत को पहचानती हैं। उनका मानना है कि कार्टिस्टिंग टैलेंट के दम पर होना चाहिए।ध्रुव तारा-समय सदी से परे में ध्रुव के किरदार में ईशान धवन और तारा के रोल में रिया शर्मा हैं।शो के नव एपिसोड में ध्रुव और तारा के बिल्कुल अलग अवतार दिखाई देंगे।रश्मि सुमीत प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, ध्रुव तारा-समय सदी से परे सोनी सब पर प्रसारित होता है।वर्कफ्रंट की बात करें तो, रश्मि ने तिरुपति बालाजी कथासार सीरीज में देवी पार्वती की भूमिका निभाई।वह गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा और साथ निभाना साथिया 2 में भी नजर आ चुकी हैं।

एस.एस राजामौली की बायोग्राफी मॉडर्न मास्टर्स

बाहुबली और आरआरआर जैसी मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म के डायरेक्टर एस.एस राजामौली की बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री की रिलीज डेटा का एलान हो गया है। नेटफ्लिक्स ने दिग्गज डायरेक्टर की बायोग्राफी का एलान कर एक पोस्टर भी छोड़ा है। नेटफ्लिक्स ने राजामौली की बायोग्राफी के टाइटल के साथ-साथ इसकी रिलीज डेटा का भी एलान किया है. अब सोशल मीडिया पर इसका खूब हल्ला मच रहा है। नेटफ्लिक्स राजामौली की बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री को लेकर लंबे समय से चर्चा में था. राजामौली की डॉक्यूमेंट्री की नाम मॉडर्न मास्टर्स एस एस राजामौली है, जिसे अपलोज एंटरटेनमेंट और फिल्म कर्पनियोन बनाया है। राजामौली की डॉक्यूमेंट्री पहली ऐसी फिल्म है, जो फिल्म और उनके डायरेक्टर पर बात करती है. उन लोगों का नाम करती हैं जो इंडियन सिनेमा के मास्टर्स हैं, जिनका सिनेमा अलग दुनिया का है. बता दें, नेटफ्लिक्स आगामी 2 अगस्त को



राजामौली की बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री स्ट्रीम करने जा रहा है। वहीं, सोशल मीडिया पर राजामौली की फिल्मों के दिवाने फैस अब उन्हें बधाईयां दे रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें 2 अगस्त का बेसब्री से इंतजार है. एक्स हैंडल पर राजामौली के फैस उनकी इस डॉक्यूमेंट्री के पोस्टर को शेयर कर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। बता दें, राजामौली ने अभी तक अपने करियर में जितनी भी फिल्में है की है।

लंदन। गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने रविवार को विंबलडन चैंपियनशिप में पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उनका मुकाबला अमेरिका के टॉमी पॉल से होगा। कार्लोस अल्काराज ने सेंटर कोर्ट पर उगो हम्बर्ट पर 6-3, 6-4, 1-6, 7-5 से आसान जीत दर्ज की। यह नौवीं बार है जब अल्काराज किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम आठ दौर में पहुंचने में सफल रहे हैं।

21 वर्षीय अल्काराज ने शुरुआती दो सेट 6-3, 6-4 से जीते, लेकिन तीसरे सेट में वो संघर्ष करते नजर आए, उगो हम्बर्ट ने शानदार कमबैक करते हुए तीसरा सेट 6-1 से जीता।जानकारी के अनुसार, चौथे सेट में अल्काराज और 26 वर्षीय हम्बर्ट दोनों ने उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन स्पेन के तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने शानदार कमबैक करते हुए 7-5 से जीत हासिल की।



अल्काराज ने मुकाबले के बाद कहा, मुझे लगा कि वह हर पॉइंट पर मेरे सर्व और मेरे शॉट्स को बहुत अच्छी तरह से पढ़ रहा था। उस समय यह मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण था लेकिन टेनिस ऐसा ही है।

चौथे सेट में, कुछ सर्व ऐसे थे जो मैंने बहुत अच्छे से किए और मैंने उस गेम को बचा लिया। एक तरह से मैंने अपने टेनिस

के स्तर को बेहतर किया, अपनी तीव्रता बढ़ाई और अंत में जीत हासिल की।अल्काराज का सामना अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अमेरिका के टॉमी पॉल से होगा जिन्होंने पुरुष सिम्ल्स वर्ग के एक अन्य मुकाबले में स्पेन के रॉबर्टो बतिस्ता ऑगुट को हराया। पॉल पहली बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।

■ न्यूज गैलरी

टक्कर से 10 फीट उछले
3 बाइक सवार, मौत



नर्मदापुरम/नवप्रदेश। नर्मदापुरम में रविवार देर रात करीब सवा 10 बजे कार से टकराकर बाइक सवार 3 लोगों की मौत हो गई। हादसा इटारसी के पास सनखेड़ा फोरलेन रोड बैतुल-औबेदुल्लागंज नेशनल हाईवे 46 पर हुआ। स्विफ्ट डिजायर कार नागपुर से भोपाल की तरफ तेज रफ्तार में जा रही थी। मोटरसाइकिल चालक ने बाइक फोरलेन पर गलत साइड से चढ़ा दी। रॉंग साइड में बाइक आ जाने से ड्राइवर कार की स्पीड को कंट्रोल नहीं कर पाया। टक्कर इतनी तेज हुई कि तीनों बाइक सवार 10 फीट तक उछलकर गिरे। कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना में सनखेड़ा के रहने वाले नंदलाल पटेल (58), गोपालदास पटेल (55) और पुरानी इटारसी निवासी राजेंद्र यादव (45) की मौत हुई है।

रैसलपुर से लौट रहे थे बाइक सवार तीनों लोग

ठाकुरलाल चौधरी ने बताया कि उनके बहनेंई गोपालदास पटेल, नंदलाल पटेल सनखेड़ा में एक ही मोहल्ले में रहते थे। राजेंद्र यादव उर्फ राजू पुरानी इटारसी के दीवान कालोनी में रहते थे। नंदलाल इटारसी में वेयरहाउस प्लांट पर मजदूरी करते थे। गोपालदास पटेल किसानी और दूध बेचने का काम करते थे। राजू यादव भी मजदूरी करते थे। तीनों एक ही बाइक से रैसलपुर से किसी कार्यक्रम से लौट रहे थे। इटारसी सिटी थाने के टीआई गौरव बुंदेला ने बताया कि तीनों बाइक सवारों को अस्पताल लाया गया लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। सोमवार सुबह तीनों शवों के पोस्टमॉर्टम हुए।

कार से नागपुर की फैमिली भोपाल जा रही थी, सभी सेफ

इटारसी पुलिस ने कार (एमएच31 एफएक्स 0544) के ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, कार में बैठ परिवार सुरक्षित है। उन्हें कोई चोट नहीं आई। हालांकि, कार आगे से क्षतिग्रस्त हुई है। फैमिली नागपुर से भोपाल जा रही थी।

महाकाल मंदिर में कुत्ते ने श्रद्धालु के पेट में काटा

उज्जैन/नवप्रदेश। महाकाल मंदिर में एक और श्रद्धालु को कुत्ते के काटने पर अस्पताल जाना पड़ा। रविवार को आंध्र प्रदेश से आए श्रद्धालु को कुत्ते ने पेट में काट खाया। दो कुत्ते झगड़ते हुए आए और इनमें से एक ने उन पर हमला कर दिया। पिछले हफ्ते ही दिल्ली की डॉक्टर दर्शनार्थी को भी कुत्ते ने काटा था। आंध्र प्रदेश के रंगरेड्डी शहर से आए मुत्तुगु राजकिरण रविवार सुबह भ्रमस आरती करने के बाद मंदिर परिसर के अन्य मंदिरों के दर्शन कर रहे थे। इसी बीच एक कुत्ता उन पर झपट गया। इसके दो दिन पहले ही नगर निगम कमिश्नर ने महाकाल मंदिर और आसपास के क्षेत्रों से 22 कुत्ते पकड़ने का दावा किया था।

7000 एकड़ जंगल काटकर फसल उगाई :
खंडवा में वन विभाग ने ट्रैक्टर चलाकर रौंदी

400 पुलिस जवान के साथ पहुंची टीम

खंडवा/नवप्रदेश। खंडवा में वन विभाग ने जंगल की जमीन पर अवैध कब्जे को हटाने की बड़ी कार्रवाई की है। वन विभाग की टीम जंगल की 7 हजार एकड़ जमीन पर उगाई गई सोयाबीन और मक्का की फसल को हटाने की कार्रवाई कर रही है। ये फसल जंगल पर कब्जा करने वाले माफिया ने उगाई थी। सोमवार सुबह करीब 8 बजे से वन विभाग की टीम नाहरमाल सेक्टर के जंगल पहुंची और वहां अवैध रूप से उगाई गई फसलों पर जेसीबी चलवाई। मौके पर राजस्व और पुलिस अफसरों के साथ 400 जवानों का फोर्स भी तैनात रहा।

जंगल से कब्जा हटाने में लगेंगे दो से तीन दिन

कब्जा हटा रही टीम को बारिश की वजह से दिक्कत भी आ रही है। जमीन को पूरी तरह कब्जा मुक्त करने में दो से तीन दिन लग सकते हैं। फसल को ट्रैक्टर चलाकर रौंदा जा रहा है। खेत वन चुके जंगल में जेसीबी मशीनों से खतियां और गड्ढे खोदे जा रहे हैं, ताकि दोबारा खेती नहीं की जा सके। खंडवा जिले में करीब 10 हजार एकड़ जंगल पर माफिया का कब्जा है। सबसे ज्यादा अतिक्रमण नाहरमाल में ही है। यहां दो साल पहले 7 हजार एकड़ के जंगल को खेत बना दिया गया। माफिया ने इस साल सोयाबीन और मक्का की फसल लगाई है। माफिया से सख्ती से निपटने के लिए बड़ी संख्या में फोर्स मौके पर ले जाया गया है। यही वजह है कि कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारी



भी सामने नहीं आए। ग्रामीणों ने प्रशासन का सहयोग करते हुए ट्रैक्टर उपलब्ध कराए हैं। डीएफओ राकेश डामोर, एसडीएम बजरंग बहादुर, फॉरेस्ट एसडीओ संदीप वास्करले, तहसीलदार महेश सोलंकी मौके पर मौजूद हैं।

गड्ढों में डालेंगे सीड बॉल, ताकि दोबारा पनप सके जंगल

वन विभाग की टीम ट्रैक्टरों से फसल को नष्ट कर रही है, ताकि आर्थिक रूप से माफिया की कमर तोड़ी जा सके। जेसीबी और पोक्लेन मशीनों से खतियां खोदी जा रही हैं। नालानुमा खती खोदने का मकसद माफिया को जंगल में प्रवेश से रोकना है। जंगल के अतिक्रमण मुक्त होते ही खतियों और गड्ढों में सीड बॉल डाले जाएंगे। डीएफओ राकेश डामोर का कहना है कि शासन स्तर पर सीड बॉल और तार फेंसिंग आदि को लेकर प्रस्ताव भेजा गया था। बजट मंजू्र हो चुका है।

वन विभाग के अमले में 4 जेसीबी और 4 ट्रैक्टर शामिल थे। इनमें एक मशीन खराब हो

गई। इस तरह पहले दिन सिर्फ 1व एरिया को ही अतिक्रमण मुक्त करवा पाए है।

नाहरमाल सरपंच सतीश साठे के मुताबिक, माफिया ने यहां 4000 एकड़ में फसल बोई है। प्रशासन ने दिनभर की कार्रवाई में सिर्फ 40 एकड़ जमीन से फसल हटाई है, जहां कार्रवाई हुई है, वो जंगल का एंटी पॉइंट था। हमने प्रशासन से कहा था कि पहले जंगल के भीतर जाकर पुराने

अतिक्रमण को ध्वस्त करें।

बाहर के आदिवासी जंगलों में कर रहे घुसपैठ

एसडीओ संदीप वास्करले ने बताया कि अतिक्रमण करने वाले लोग बाहरी हैं। ये लोग खरगोन, बड़वानी, झाबुआ, अलीराजपुर क्षेत्र से आकर यहां बसे हैं। यहां आकर एक-दो एकड़ जमीन खरीदते हैं। फिर यहीं के निवासी हो जाते हैं। पंचायत वाले भी इनका राशन बना देते हैं। इनके वोटर कार्ड भी हैं। धीरे-धीरे ये लोग रिश्तेदारों को बुलाकर जंगलों में घुसपैठ करते हैं। वनों की कटाई करते हैं। एसडीओ संदीप वास्करले के मुताबिक कार्रवाई से पहले बड़े कब्जेदारों के खिलाफ जिलाबंदर की कार्रवाई की थी। इनमें ढेहेरिया के रहने वाले करताप पिता लाखासिंह, सुभाष पिता रूपसिंह, खत्रा पिता नानसिंह, भारसिंह पिता नरसिंह, अमाखुजली के रहने वाले मोवासिंह पिता जामसिंह, गणपत पिता रुखड़िया और सरमेश्वर निवासी अनसिंह पिता जयमाल हैं।

आखिरी पन्ना

अमरवाड़ा क्षेत्र की जनता भाजपा का अहंकार तोड़ेगी: जितेंद्र सिंह

अमरवाड़ा में कमलेश शाह ने निजी स्वार्थ के लिए क्षेत्र की जनता के साथ विश्वासघात किया है: जीतू पटवारी



झूठ निकला और मोदी जी ने जिन टॉटियों की बात की थी वहां टोटियां तो है मगर न ही नल है न जल है, केवल करशान है। अमरवाड़ा में चुनाव तो 5 साल के लिए हुआ था परंतु कांग्रेस ने जिस कमलेश शाह को बार-बार टिकट दिया, उसने कांग्रेस का भरोसा तोड़ा, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का विश्वास तोड़ क्षेत्र की जनता के साथ भी विश्वास घात किया। कमलेश शाह की पत्नी ने हरई नगर परिषद अध्यक्ष रहते 25 करोड़

मध्य प्रदेश कांग्रेस सफाई कामगार प्रकोष्ठ 10 जुलाई को करेगी मुख्यमंत्री निवास का घेराव

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश कांग्रेस सफाई कामगार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जयराम सिंह चौहान ने जानकारी देते हुये बताया है कि आगामी बुधवार, 10 जुलाई 2024 को प्रदेश कांग्रेस सफाई कामगार प्रकोष्ठ के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के सफाई कामगारों के हित और अधिकारों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेश भर के सफाई कामकारों द्वारा मुख्यमंत्री निवास का घेराव एवं धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री श्री सज्जन सिंह वर्मा, मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष श्री मुकेश नायक सहित बड़ी संख्या में प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं कांग्रेसजन उपस्थित रहेंगे।

श्री चौहान ने बताया कि विगत 1 वर्ष पूर्व 10 जुलाई 2023 को मप्र कांग्रेस सफाई कामगार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में सफाई कामगारों के हित और उनकी मांगों को लेकर विधानसभा का घेराव किया गया था, जिसमें विभिन्न मांगे रखी की गई थी, लेकिन सरकार द्वारा सफाई कामगारों की मांगों पर कोई सुनवाई नहीं हुई।

रहा तो देश का लोकतंत्र कैसे चलेगा। पटवारी ने भाजपा सरकार द्वारा विधायक रामनिवास रावत को मंत्री पद की शपथ दिलाने पर कटाक्ष करते हुये कहा कि भाजपा में नौ बार के विधायक गोपाल भार्गव जी सहित 5-6 बार के कई विधायक हैं जिन्होंने भाजपा को सींचा है, भाजपा ने उन्हें भी धोखा देती है और कांग्रेस के विधायक को मंत्री बनाती है।

श्री पटवारी ने लोकतंत्र बचाने के लिए कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील अमरवाड़ा के मतदाताओं से करते हुए कहा कि छिंदवाड़ा जिले को कमलनाथ जी ने अपने खून पसीने से सींचा है और कमलनाथ जी का सम्मान वापस दिलवाने के लिए सभी मिलकर कांग्रेस के प्रत्याशी जिनकी चार पीढ़ियां जन सेवा में लगी है, उन्हें जिताकर विधानसभा में भेजें। श्री कमलनाथ ने यहां की जनता के लिए जो किया है पूरी दुनिया जानती है। छिंदवाड़ा विकास का मॉडल पूरे देश में अलग पहचान रखता है।

अमरवाड़ा के सिंगोड़ी की आमसभा में अखिल भारतीय कांग्रेस

आतंकी फैजान के मोबाइल में आर्मी अफसरों के फैमिली फोटो



सिमी के आठ आतकियों के एनकाउंटर में मारे जाने का बदला लेने की नीयत से कर रहा था। फैजान ने एटीएस से कहा कि उसका एक ही मकसद था, सुरक्षा बल और उनके परिजन को नुकसान पहुंचाना। इसके लिए कश्मीर, पठानकोट, मुंबई और दिल्ली में सुरक्षा बल के ठिकानों की रेकी कर चुका था। पिछले तीन साल में 14 बार इन शहरों में आर्मी एरिया की रेकी की है।

आरोपी फैजान ने खुलासा किया है कि बदला लेने के लिए लोन वूलफ अटैक प्लान कर रहा था। इसके लिए पिस्टल और कारतूस भी खरीदे। उसने एटीएस अधिकारियों से साफ कहा, एक भी सुरक्षा बल को नुकसान पहुंचाने में कामयाब हो जाता, तो खुद को खुशनसीब मानता। उसे पकड़े जाने या जान जाने की फिक्र नहीं थी। फैजान इंटरनेट पर अधिकांश समय आतंकी ट्रेनिंग कैंप के वीडियो और उनके काम करने के तरीकों को सर्च करता था। एटीएस को उसके मोबाइल में इसके सबूत मिले हैं।

आरोपी फैजान ने पिछले सात-आठ महीनों से खुद को समाज से अलग कर लिया था। उसने किसी भी प्रकार के आयोजन और कार्यक्रम में जाना बंद कर दिया था। हालाकि, इस बीच उसने कई बार 2016 में एनकाउंटर में मारे गए सिमी आतंकियों के परिजनों से मुलाकात की। एटीएस की पूछताछ में उसने खुद को मारे गए आतंकियों का करीबी बताया है।

वर्ष 2028 के लिए अभी से जुटेगी कांग्रेस, अब बूथों को करेगी मजबूत

अभी से बनाई जाएगी विस चुनाव के लिए प्रबंधन समिति

दूसरे दलों से आने वालों को दिया जाएगा विशेष प्रशिक्षण

विधानसभा व लोकसभा चुनाव में हार के बाद हो रहा मंथन

भोपाल/नवप्रदेश। विधानसभा व लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस मध्य प्रदेश में नए सिरे से पार्टी को खड़ा करने और जनाधार वापसी के लिए मजबूत रणनीति बनाने के लिए गंभीरता से मंथन कर रही है। वह अभी से 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने की रणनीति बना रही है। भोपाल में दो दिन चली मंथन-बैठक में प्रदेश प्रभारी जितेन्द्र सिंह ने अभी से चुनाव मोड में तैयारी करने के संकेत दे दिए। अब इस बात पर भी विचार हो रहा है कि अभी से प्रदेश स्तर पर चुनाव प्रबंध समिति बना दी जाए। पार्टी का दूसरा सर्वाधिक ध्यान भाजपा की तरह बूथों को मजबूत करने पर है।

वाई स्तर पर बनेगी कमेटी

शहरों में वार्ड स्तर पर भी अभी से कमेटी बनाई जाएगी। प्रदेश स्तर पर बनने वाली चुनाव प्रबंधन समिति जिला और ब्लाक के पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देगी। कांग्रेस में दूसरे दलों से आए नेताओं के लिए प्रशिक्षण



सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे वे पार्टी की विचारधारा से अच्छी तरह से परिचित हो सकें।

भाजपा का बूथ प्रबंधन ज्यादा बेहतर

दरअसल, विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत की वजह उसका बूथ प्रबंधन रहा है। चुनाव से लगभग एक वर्ष पहले से ही भाजपा ने पूरी ताकत लगा दी थी। बूथ संपर्क सहित कई अभियान चलाए गए। अब कांग्रेस 2028 के विधानसभा चुनाव के लिए उसी तर्ज पर काम करने जा रही है।

समस्या यह है कि कांग्रेस के पास बूथ स्तर पर कार्यकर्ता नहीं है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में दो दिन चली बैठक में पहले दिन विधानसभा चुनाव में कुछ पराजित प्रत्याशियों ने कहा था कि उन्हें कुछ बूथों पर एंजेंट तक नहीं मिले।

ऐसे में ब्लाक अध्यक्ष और जिलाध्यक्षों को बूथ स्तर पर टीम बनाने का लक्ष्य दिया जाएगा। बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की हर 15 दिन में बैठक होगी, जिसमें जिला या ब्लाक स्तर का कोई पदाधिकारी भी उपस्थित रहेगा। जिला और ब्लाक स्तर की समितियों की प्रतिमाह बैठकें होंगी।